संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 45
पृष्ठ 8
रविवार
03 नवम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- आपके बहुत काम आएंगे ये....

विचार- कांग्रेस के आरोपों पर चुप क्यों....

खेल- एशियन पेंट्स से जुड़ी कंपनी का....

जनता दर्शन: गोरखनाथ मंदिर में सीएम योगी ने 200 लोगों की समस्याएं सुनीं, दिए निर्देश- निस्तारण में न हो लापरवाही

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनकी सरकार जनता की समस्याओं के समाधान को प्रतिबद्ध है। किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया वे पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता से यह सुनिश्चित करें कि हर पात्र को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले, जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। बिना भेदभाव सबको न्याय मिले। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर शनिवार को आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। कुर्सियों पर बैठे लोगों तक खुद गए। उनकी समस्याओं व शिकायतों को सुना और समझा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। अपराध से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए कई लोगों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी।

एलएसी पर डेमचोक के बाद देपसांग में भी भारतीय सेना की गश्त शुरू

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने देपसांग में गश्त शुरू कर दी है। यह पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच तनाव वाला बिंदु था। सेना ने शुक्रवार को डेमचोक में गश्त शुरू हुई थी। उससे पहले पहले भारतीय और चीनी सैनिकों ने पूर्वी लद्दाख के इन दोनों तनाव वाले बिंदुओं से पीछे हटने की प्रक्रिया को पूरा किया। सरकार ने शनिवार को यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा कि चीन के साथ गश्त के समझौते के बाद डेमचोक और देपसांग में आपसी सहमति से गश्त शुरू हो गई है। गुरुवार को दोनों देशों के सैनिकों ने एलएसी पर दिवाली के मौके पर मिठाइयों का आदान-प्रदान किया। यह परंपरा उस समय पूरी की गई, जब दोनों देशों ने डेमचोक और देपसांग पर सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया को पूरा किया। जिससे दोनों देशों के संबंधों में नरमी देखने को मिल रही है। सूत्रों ने पहले बताया था कि गश्त की स्थिति को 2020 से पहले के स्तर पर वापस लाए जाने की उम्मीद है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने 21 अक्तूबर को दिल्ली में कहा था कि भारत और चीन के बीच कई हफ्तों से बातचीत के बाद एक समझौता किया गया है, जो 2020 में हुई समस्याओं के समाधान की दिशा में ले जाएगा। यह समझौता पूर्वी लद्दाख में एलएसी के साथ गश्त और सैनिकों को पीछे हटाने की प्रक्रिया पर आधारित है।

सीएम योगी ने की गोसेवा, भवानी और भोलू को दुलारा-व्यस्तता में भी समय बिताया

गोरखपुर। सितंबर माह में आंध्र प्रदेश के येलेश्वरम स्थित गोशाला से गोरखनाथ मंदिर लाए गए नादिपथि मिनिएचर नस्ल (पुंगनूर नस्ल की नवोन्नत ब्रीड) के दो गोवंश भवानी और भोलू को सीएम योगी ने खूब दुलारा। दक्षिण भारत से लाए गए गोवंश की इस जोड़ी (एक बछिया और एक बछड़ा) का नामकरण भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ही किया था। उन्होंने बछिया का नाम भवानी रखा है तो बछड़े का नाम भोलू। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान गोसेवा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा है। इसी क्रम में शनिवार सुबह भी उन्होंने मंदिर की गोशाला में समय बिताया और गोसेवा की। मुख्यमंत्री ने गोवंश को गुड़ खिलाया और गोशाला के कार्यकर्ताओं को देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए। गोसेवा के दौरान उन्होंने सितंबर माह में आंध्र प्रदेश के येलेश्वरम स्थित गोशाला से गोरखनाथ मंदिर लाए गए नादिपथि मिनिएचर नस्ल (पुंगनूर नस्ल की नवोन्नत ब्रीड) के दो गोवंश भवानी और भोलू को खूब दुलारा। दक्षिण भारत से लाए गए गोवंश की इस जोड़ी (एक बछिया और एक बछड़ा) का नामकरण भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ही किया था। उन्होंने बछिया का नाम भवानी रखा है तो बछड़े का नाम भोलू। मुख्यमंत्री जब भी गोरखनाथ मंदिर प्रवास पर होते हैं, भवानी और भोलू का हाल जरूर जानते हैं। सीएम योगी के दुलार और स्नेह से भवानी और भोलू भी उनसे पूरी तरह अपनत्व भाव से जुड़ गए हैं। शनिवार को गोशाला में सभी गोवंश की सेवा करने के साथ ही मुख्यमंत्री ने भवानी और भोलू के साथ अतिरिक्त वक्त बिताया। उन्हें खूब दुलार कर, उनसे बातें कर, गुड़ और चारा खिलाया। सीएम योगी के स्नेह से ये गोवंश भाव विह्वल दिख रहे थे।

भारत ने कनाडाई उच्चायोग के प्रतिनिधि को तलब किया अमित शाह के खिलाफ लगाए गए बेतुके आरोपों पर जताई नाराजगी

नई दिल्ली। रणधीर जायसवाल ने कहा, श्हमारे कुछ वाणिज्य दूतावास अधिकारियों को हाल ही में कनाडा सरकार की ओर से सूचित किया गया था कि वे अब भी ऑडियो और वीडियो के जरिए निगरानी में हैं। उनकी बातचीत पर भी नजर रखी जा रही है। हमने कनाडा सरकार के सामने औपचारिक रूप से विरोध जताया है, क्योंकि हम ऐसे कामों को प्रासंगिक राजनयिक और वाणिज्य दूतावास सम्मेलनों का घोर उल्लंघन मानते हैं। कनाडा के मंत्री की ओर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ लगाए गए आरोपों को लेकर भारत ने नाराजगी जताई है। भारत ने कनाडाई अधिकारी को तलब किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमने कल कनाडाई उच्चायोग के प्रतिनिधि को तलब किया। भारत सरकार कनाडा सरकार में मंत्री डेविड मॉरिसन की ओर से समिति के समक्ष भारत के केंद्रीय गृह मंत्री के बारे में किए गए बेतुके और निराधार आरोपों का सबसे कड़े शब्दों में विरोध करती है। उन्होंने कहा, श्यह पहले ही साफ हो चुका है कि उच्च कनाडाई अधिकारी जानबूझकर भारत को बदनाम करने और अन्य देशों को प्रभावित करने की एक सचेत रणनीति के तहत अंतरराष्ट्रीय मीडिया को निराधार आरोप लीक करते हैं। इससे वह दृष्टिकोण साबित होता है, जो भारत सरकार ने वर्तमान कनाडाई सरकार के राजनीतिक एजेंडे और व्यवहार पैटर्न के बारे में लंबे समय से रखा है। इस तरह की गैरजिम्मेदाराना हरकतों के द्विपक्षीय संबंधों पर गंभीर परिणाम होंगे। रणधीर जायसवाल ने कहा, श्हमारे कुछ वाणिज्य दूतावास अधिकारियों को हाल ही में कनाडा सरकार की ओर से सूचित किया गया था कि वे अब भी ऑडियो और वीडियो के जरिए निगरानी में हैं। उनकी बातचीत पर भी नजर रखी जा रही है। हमने कनाडा सरकार के सामने औपचारिक रूप से विरोध जताया है, क्योंकि हम ऐसे कामों को प्रासंगिक राजनयिक और वाणिज्य दूतावास सम्मेलनों का घोर उल्लंघन मानते हैं। तकनीकी पहलुओं का हवाला देकर कनाडा सरकार इस तथ्य को उचित नहीं ठहरा सकती कि वह उत्पीड़न और धमकी में लिप्त है।

हमारे राजनयिक और वाणिज्य दूतावास कर्मी पहले से ही अलगाववाद और हिंसा के माहौल में काम कर रहे हैं। कनाडा सरकार का कृत्य स्थिति को और खराब कर रहे हैं। यह स्थापित राजनयिक मानदंडों और प्रथाओं के साथ असंगत है।श कनाडा के पार्लियामेंट हिल में दिवाली समारोह रद्द होने की खबरों पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि हमने इस संबंध में कुछ रिपोर्ट देखी हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कनाडा में मौजूदा माहौल असहिष्णुता और उग्रवाद के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। कनाडा सरकार द्वारा वीजा की संख्या में कटौती पर रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम कनाडा में काम कर रहे अपने छात्रों और पेशेवरों की भलाई पर नजर रख रहे हैं। उनकी सुरक्षा और संरक्षा के लिए हमारी चिंता बनी हुई है। कुछ भारतीय कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंधों पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि 19 भारतीय कंपनियों के प्रतिबंध के बारे में हमने अमेरिकी रिपोर्ट देखी हैं। भारत के पास रणनीतिक व्यापार पर एक मजबूत कानूनी और नियामक ढांचा है। हम तीन प्रमुख बहुपक्षीय अप्रसार निर्यात नियंत्रण व्यवस्थाओं वासिनार व्यवस्था, ऑस्ट्रेलिया समूह और मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था के सदस्य भी हैं। अप्रसार पर प्रासंगिक यूएनएससी प्रतिबंधों और यूएनएससी संकल्प 1540 को प्रभावी ढंग से लागू कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, हमारी समझ यह है कि प्रतिबंध, लेन-देन और कंपनियां भारतीय कानूनों का उल्लंघन नहीं करती हैं। फिर भी भारत की स्थापित अप्रसार साख को ध्यान में रखते हुए हम सभी प्रासंगिक भारतीय विभागों और एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। हम भारतीय कंपनियों को लागू निर्यात नियंत्रण प्रावधानों के बारे में जागरूक करने और उन्हें लागू किए जा रहे ऐसे नए उपायों के बारे में बताने के लिए काम कर रहे हैं, जो कुछ परिस्थितियों में भारतीय कंपनियों को प्रभावित कर सकते हैं।

25 नवंबर से संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत

कई अहम बिलों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र इस महीने के अंत में 25 नवंबर को शुरू होने की संभावना है और 20 दिसंबर तक चल सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस बार एक विशेष कार्यक्रम होगा, जिसमें सांसद एक दिन के लिए पुराने संसद भवन में मिल सकते हैं। संविधान को अपनाने के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 26 नवंबर को लोकसभा और राज्यसभा का संयुक्त सत्र बुलाया जाएगा। यह विशेष सत्र संभवतरू पुराने संसद भवन के सेंट्रल हॉल में आयोजित किया जाएगा, जहां भारतीय संविधान को 26 नवंबर 1949 को अपनाया गया था। इस दिन को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है और 26 जनवरी 1950 को भारतीय संविधान पूर्ण रूप से लागू हुआ। दिलचस्प बात यह है कि सत्तारूढ़ एनडीए और विपक्षी गठबंधन दोनों ही खुद को संविधान के रक्षक के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही एक-दूसरे को संविधान का दुश्मन बताने में कोई कसर नहीं छोड़ते। इस लोकसभा चुनाव में विपक्ष ने यह बात फैलाने की कोशिश की कि अगर मोदी सरकार दोबारा सत्ता में आई तो संविधान खतरे में पड़ जाएगा। वहीं, मोदी सरकार ने इस साल जुलाई में 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की, ताकि आपातकाल के काले दिनों को याद किया जा सके। इस पृष्ठभूमि में आगामी संसद सत्र और विशेष सत्र में होने वाली चर्चा इस बार काफी महत्वपूर्ण रहने की संभावना है। गौरतलब है कि शीतकालीन सत्र के दौरान कथित तौर पर श्एक राष्ट्र, एक चुनावश प्रस्ताव और वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर जोरदार चर्चा होगी। इससे पहले, गृह मंत्री अमित शाह ने वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर बोलते हुए कहा कि यह विधेयक संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान पारित किया जाएगा। गुज़रात के बादशाहपुर इलाके में एक चुनावी रैली में बोलते हुए, शाह ने टिप्पणी की, वक्फ बोर्ड कानून... हम इसे संसद के अगले सत्र में ठीक कर देंगे।

सत्तारूढ़ दलों को फायदा पहुंचाने के लिए किया जा रहा पुलिस वाहनों का इस्तेमाल- शरद पवार

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ दलों के उम्मीदवारों को फायदा पहुंचाने के लिए पुलिस वाहनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री पवार ने यहां गोविंदबाग में अपने आवास पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि वह इस मामले पर सार्वजनिक तरीके से और बात करना चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं करेंगे क्योंकि इससे उन अधिकारियों को ठेस पहुंचेगी, जिन्होंने यह जानकारी उनसे साझा की है। पवार के पोतों और पार्टी के उम्मीदवारों युगेंद्र पवार (बारामती) और रोहित पवार (करजात-जामखेड़) भी संवाददाता सम्मेलन में मौजूद थे। पवार परिवार हर साल गोविंदबाग में मिलता है, लेकिन इस साल उपमुख्यमंत्री अजित पवार और उनका परिवार इसमें शामिल नहीं हुआ। पवार ने दावा किया, "हमें कई जिलों से, अधिकारियों से पता चला है कि सत्तारूढ़ दलों के उम्मीदवारों को चुनाव के लिए वित्तीय सहायता मिल रही है, पुलिस वाहनों का उपयोग किया जा रहा है।पुलिस विभाग के अधिकारियों ने भी ऐसा कहा है।" पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार की खासियत यह है कि इसके नेता विमान के जरिए ए और बी फॉर्म भेजते हैं।

बटेंगे तो कटेंगे पर मायावती का वार

बोलीं-बीएसपी से जुड़ेंगे तो आगे बढ़ेंगे और सुरक्षित रहेंगे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में इन दिनों उपचुनावों की हलचल है। इसी कड़ी में शनिवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने प्रेस वार्ता की। इद दौरान उन्होंने कहा कि यूपी की नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनावों की घोषणा हो गई है। बीएसपी इन सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इसको लेकर बीजेपी और एसपी के गठबंधन दलों की नींद उड़ गई है। उपचुनावों के दौरान बीजेपी और एसपी अपने-अपने गठबंधन दलों के साथ दोस्ताना मुकाबला करते थे। क्योंकि, बीएसपी आमतौर पर ज्यादा उपचुनाव नहीं लड़ती थी। बीजेपी लोगों को गुमराह करने के लिए कह रही है, बटेंगे तो कटेंगे। जबकि एसपी कह रही है जुड़ेंगे तो जीतेंगे। उनके दोहरेपन को ध्यान में रखते हुए यह होना चाहिए बीएसपी से जुड़ेंगे तो आगे बढ़ेंगे और सुरक्षित रहेंगे। बताते चलें कि उपचुनाव को लेकर यूपी में इन दिनों नारों का दौर चल रहा है। इसको लेकर आए दिन नए पोस्टर भी लगाए जदा रहे हैं। बात शुरू होती है सीएम योगी आदित्यनाथ के एक बयान से। जिसमें उन्होंने आमजन को संबोधित करते हुए कहा था कि बटेंगे तो कटेंगे। सीएम के इस बयान को उस समय और बल मिल गया, जब मथुरा बैठक में आरएसएस ने इसका समर्थन किया। इसके बाद इसपर सपा ने पलटवार किया। सपा ने लिखा कि, न बटेंगे न कटेंगे, पीडीए संग रहेंगे। राजधानी मेंसपा कार्यालय के सामने इसका पोस्टर लगाया गया। प्रदेश में इस बयान ने तूल पकड़ तो बसपा भी पीछे न रही। अब बसपा सुप्रीमो मायावती ने इस पर पलटवार किया है। मायावती ने कहा कि बीएसपी से जुड़ेंगे तो आगे बढ़ेंगे और सुरक्षित रहेंगे। उन्होंने इसे असली नारा करार दिया।

फूलपुर उपचुनाव : ब्राह्मण-पटेल वोटर्स निर्णायक

डेवलपमेंट नहीं...जाति ही चर्चा में, 13 नवंबर को है वोटिंग

प्रयागराज। जिन 9 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने जा रहे हैं उसमें प्रयागराज की चर्चित सीट फूलपुर भी शामिल है। यहां 13 नवंबर को उपुचनाव होने हैं और ठश्रच, सपा व बसपा समेत कई निर्दल प्रत्याशी चुनावी मैदान में प्रचार–प्रसार में जुटे हैं।

खास बात तो यह है कि यहां हो रहे उपचुनाव में विकास या जनता से जुडेद्य अन्य मुद्दों पर चर्चा नहीं हो रही है। यहां पूरी तरह से जातीय समीकरण हावी है। यहां की सियासत पूरी तरह से जातिगत मुद्दों के बीच उलझ कर रही है। यहां ब्राह्मण, पटेल वोटरों की संख्या ज्यादा है इसलिए यह हमेशा यहां पर निर्णायक भूमिका में अहम रोल अदा करते हैं।

कई चुनावों से ठश्रच पटेल प्रत्याशी पर लगा रही दांव

पटेलों की संख्या को देखते हुए यहां ठश्रच कई चुनावों से पटेल नेता को ही प्रत्याशी उतारती है। 2017 के विधानसभा चुनाव में यहां से प्रवीण पटेल बीजेपी प्रत्याशी बने और सपा को हराया। इसके बाद वह 2022 के चुनाव में भी चुनाव लड़े और कमल खिलाने में सफल रहे। इसके पहले 2019 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा ने पटेल बिरादरी से आने वाली केसरी देवी पटेल को चुनाव लड़ाया था और वह चुनाव जी गई थीं। 2024 के लोकसभा चुनाव में केसरी देवी पटेल का टिकट कटा तो लगा कि इस बार किसी दूसरी जाति के नेता को मौका मिलेगा लेकिन भाजपा ने वहीं के विधायक प्रवीण पटेल को टिकट दिया और कम वोटों से वह सांसद चुने गए। प्रवीण के सांसद होने के बाद अब यहां उपचुनाव शुरू हुआ तो इस बार पटेल जाति के दीपक पटेल को टिकट मिल गया।

वोटर्स बोले.. क्या दूसरी जातियों को मौका नहीं मिलेगा

फूलपुर सीट के वोटरों में भाजपा की जातीयगत राजनीति से कहीं न कहीं नाराजगी भी झलक दिख रही है। राकेश कुमार पाठक कहते हैं कि भाजपा जातीगत मामलों से ऊपर उठकर काम करन वाली पार्टी कही जाती है लेकिन फूलपुर में लगातार पटेल जाति से ही क्यों प्रत्याशी उतार रही है? यहां और भी जातियां हैं क्या वह योग्य नहीं हैं? हर चुनाव में सभी को नजरअंदाज करते हुए सिर्फ पटेल प्रत्याशी उतारा जा रहा है। यह भ्रम फैलाया गया है कि यहां पटेल वोटर ज्यादा हैं। वोटरलिस्ट में यदि हकीकत में जांच कराई जाए तो यह सामने आ जाएगा। राकेश पाठक कहते हैं कि हम युवा इस बार चुनाव में नोट दबाने का मन बना लिए हैं।

दीपक पटेल हमारी जाति के.. हम उनके साथ

चकमाली गांव के रहने वाले शेषमणि पटेल पत्नी फूलपुर के उपचुनाव के बारे में ज्यादा कुछ बोलने के बजाय सीधे प्रत्याशी पर आ गए। उन्होंने कहा,फूलपुर में वर्षों से विशेष विकास नहीं हुआ..फिर भी भाजपा ने दीपक पटेल को उतारा है तो हम लोग उनके साथ हैं।

बाबूगंज के रहने वाले डॉ. एसआर पाल ने कहा कि सपा ने प्रत्याशी गलत उतारा है लेकिन सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल हमारे इलाके के हैं और हमारी बिरादरी से आते हैं इसलिए हम पूरी पाल बिरादरी उनके साथ है। इसी तरह पुरुषोत्तम यादव, शोभनाथ यादव व सुरेश यादव ने कहा कि हमें यहां प्रत्याशी से मतलब नहीं है बल्कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव को देखते हुए हम उन्हें वोट करेंगे।

जूना व किन्नर अखाड़े का नगर प्रवेश कल

प्रयागराज आएंगे देश भर के साधु-संत, महाकुंभ में संगम तीरे करेंगे जप-तप

प्रयागराज। महाकुंभ को देखते हुए कल (3 नवंबर) जूना अखाड़ा नगर प्रवेश करने जा रहा है। इस अखाड़े के साथ ही किन्नर अखाड़ा भी नगर प्रवेश करेगा। भव्य रूप से इसकी तैयारियां की गई। सिर्फ प्रयागराज ही नहीं बल्कि देश के विभिन्न क्षेत्रों से साधु–संत संगम की रेती पर जप–तप करने के लिए आ रहे हैं। किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी की अगुवाई में बड़ी संख्या में किन्नर भी इसमें भाग लेंगे। इसी उद्देश्य से आचार्य महामंडलेश्वर खुद 2 नवंबर को प्रयागराज आ रहे हैं। वह तीन नवंबर को जूना अखाड़ा के नगर प्रवेश के दौरान शामिल होंगे।

शिष्यों समेत पहुंचने लगे हैं साधु–संत

नगर प्रवेश के दौरान बड़ी संख्या में किन्नर अखाड़ा के जगद्गुरु, महामंडलेश्वर, मंडलेश्वर, पीठाधीश्वर, महंत, श्रीमहंत सहित अन्य पदाधिकारी शामिल होंगे। यह सभी पदाधिकारी बड़ी संख्या में अपने शिष्यों सहित एक नवंबर से प्रयागराज पहुंचने लगे हैं। डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने बताया कि तीर्थराज प्रयागराज के महाकुंभ में ब्रिटेन, फ्रांस, अमेरिका, जर्मनी, रूस, जापान, कनाडा, इटली, भूटान, नेपाल सहित अन्य देशों से श्रद्धालु परिवार सहित आ रहे हैं।

घर पर ही बनवाइए डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट

प्रयागराज में डाक विभाग चलाएगा विशेष अभियान, पेंशनरों को होगी सहूलियत

प्रयागराज। डाक विभाग और IPPB (इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक) ने पेंशनरों के डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट बनाने को लेकर बड़ी सहूलियत दी है। एक नवंबर से सभी पेंशनरों को अपना लाइफ सर्टिफिकेट देना है। वहीं डाक विभाग ने डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट बनाने की सुविधा दी है।

इसके तहत घर पर ही पेंशनर यह सर्टिफिकेट बनवा सकते हैं। इसके लिए डाकिया घर पर ही पहुंचेगा। डाक विभाग ने इसके लिए पेंशनभोगी कल्याण विभाग के साथ मिलकर समझौता किया है। प्रयागराज समेत 800 शहरों एवं कस्बों में आयोजित होने वाले डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान शुरू हो रहा है।

आधार नंबर के जरिए बनवा सकते हैं सर्टिफिकेट

डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट अभियान 3.0 का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी पेंशनभोगी, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले आसानी से अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा कर सकें। डाक विभाग और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के माध्यम से डाकिए और ग्रामीण डाक सेवकों के विशाल नेटवर्क के जरिए पेंशनभोगियों को उनके दरवाजे पर जाकर डिजिटल प्रमाण पत्र सेवा प्रदान की जाएगी। इस अभियान में पेंशनभोगी कल्याण समूह, UIDAI, और ट्रेजरी सहित विभिन्न हितधारकों को भी जोड़ा गया है, जिससे पेंशनभोगियों को विशेष लाभ मिलेगा।

4 नवंबर से शुरू होगा यह अभियान

प्रयागराज क्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल, राजीव उमराव ने बताया– इस अभियान में प्रयागराज क्षेत्र के 7 जिलों के 1958 मुख्य डाकघर, उप–डाकघर और शाखा डाकघर के सभी कर्मचारी सक्रिय रूप से भाग लेंगे और डोरस्टेप सेवा प्रदान करेंगे।

उन्होंने कहा– विशेष शिविरों का आयोजन 4, 8, 16 और 25 नवंबर को इन जिलों के विभिन्न केंद्रों पर किया जाएगा, ताकि पेंशनभोगियों को अधिक सुविधा मिल सके।

इस सेवा के लिए मामूली शुल्क 70 रुपए (GST सहित) लिया जाएगा। DLC बनवाने की प्रक्रिया पूरी होने पर पेंशनभोगी के मोबाइल नंबर पर पुष्टिकरण संदेश प्राप्त होगा, और उनका जीवन प्रमाण पत्र एक दिन के बाद वेबसाइट पर ऑनलाइन देखा जा सकता है।

ट्रेडिंग की क्लास के नाम पर ठगे 3.60 लाख

प्रयागराज में वाट्सएप पर मैसेज भेजकर फंसाया, एडमिन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

प्रयागराज। प्रयागराज में ऑनलाइन ठगी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। साइबर शातिरों ने कैंट के रहने वाले राजेश सोलंकी को ट्रेड मार्केट में इन्वेस्ट के नाम पर 3.60 लाख की चपत लगा दी। राजेश सोलंकी ने कैंट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उनका कहना है कि उनके वॉट्सऐप पर मैसेज कर बताया गया कि ऑनलाइन ट्रेडिंग के लिए क्लास है। इसमें कोई खर्च नहीं आए। इसके बाद क्लास ज्वाइन कराई गई। मुनाफे के बारे में बताया गया। क्लास में कई वेबसाइट, एप के बारे में जानकारी दी गई। बताया गया कि इस पर सर्च करें और खुद से इन्वेस्ट करें। इस बहाने से उनके खाते से 3.60 लाख रुपए ट्रांसफर करा लिए गए। जब राजेश ने अपने रुपए वापस मांगने की प्रक्रिया शुरू की तो सारे नंबर ब्लाक कर दिए गए। कैंट के रहने वाले राजवीर सिंह के बेटे राजेश सोलंकी की तहरीर पर वॉट्सऐप के जरिए जतिन वर्मा एडमिन निवासी मुंबई के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है।

प्रयागराज संगम में 2 डूब रहे युवकों को बचाया

दिवाली पूजा के बाद स्नान को पहुंचे थे, गहरे पानी में समाए, दोनों अस्पताल में भर्ती

प्रयागराज। प्रयागराज में दीपावली और उसके बाद की पूजा के बाद गंगा स्नान का भी महत्व मानकर बहुत सारे परिवार संगम स्नान को को संगम नोज पहुंचते हैं। ऐसे में संगम स्नान के दौरान हादसे भी हो जाते हैं। शुक्रवार शाम ढलने के बाद भी कई युवक संगम पर स्नान को पहुंचे ऐसे में दो युवक स्नान के दौरान गहरे पानी में समा गए।

इस दौरान 42वीं वाहिनी पीएसी के बाढ़ राहत दल के जवानों ने मशक्कत कर गहरे पानी से दोनों युवकों को जान बचाई। उन्हें फस्ट एड देने के बाद अस्पताल ले गए।

धूमनगंज थाना क्षेत्र के जयंतीपुर सुलेमसराय के रहने वाले अजय कुमार (35) और मनोज कुमार (38) शुक्रवार की देर शाम संगम स्नान को पहुंच गए। दोनों घर से पूजा अर्चना करके निकले थे। स्नान के दौरान दोनों गहरे पानी में सामने लगे।

42वीं वाहिनी पीएसी के बाढ़ राहत दल के नायक मिथिलेश कुमार राय और उनकी टीम वहीं मौजूद थी। ऐसे में शोर मचा तो टीम संगम में कूद पड़ी। मशक्कत के बाद दोनों को टीम ने बहाव से बचा लिया। फस्ट एड देने के बाद दोनों को अस्पताल ले जाया गया। दोनों युवकों के घरवालों को सूचना दी गई तो वह अस्पताल पहुंच गए। सभी ने बचाव टीम को धन्यवाद दिया।

अन्नकूट पूजन, प्रतिपदा के साथ होगी शुरुआत

सुबह 7.56 से 8.24 और दोपहर 12 बजे से शाम चार बजे तक का है शुभ मुहूर्त

प्रयागराज। प्रयागराज में अन्नकूट पूजा और गोवर्धन पूजन की तैयारियां पूरी हो चुकी है। मंदिरों से लेकर घरों में भी पूजन के लिए विशेष तैयारी की गई है। कार्तिक शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि दो नवंबर 2024 दिन शनिवार को अन्नकूट पूजा को सर्वत्र मनाया जाएगा। हालांकि यह पर्व दीपावली के अगले दिन मनाया जाता है, लेकिन इस बार तिथियों के व्यतिक्रम के कारण 31 अक्टूबर को दीपावली और उसके बाद 1 नवंबर को स्नान दान की अमावस्या होने के कारण दो नवंबर को निर्विवाद रूप से एवं गोवर्धन पूजा बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। गोवर्धन पूजा प्रत्येक वर्ष कार्तिक शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि में मनाई जाती है।

इस वर्ष सूर्योदय के साथ ही प्रतिपदा तिथि आरंभ हो जा रही है, जो शाम 6रू59 तक रहेगी। मंदिरों में प्रसिद्ध अन्नकूट का पर्व दो नवंबर दिन शनिवार को मनाया जाएगा।

गोवर्धन पूजा का पर्व मनाया जा रहा है।

गोवर्धन पर्वत उठाकर भगवान कृष्ण ने की थी रक्षा

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि को ही भगवान श्री कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को उठाकर इंद्र देव के प्रकोप से संपूर्ण गांव वालों की तथा पशुओं की रक्षा की थी। इस दिन भगवान श्री कृष्ण का भी पूजा करने का विशेष विधान है। इस दिन भगवान श्री कृष्ण को अन्न से बना भोग लगाने का विधान है।

इसके साथ ही साथ पशुओं में गाय तथा बैलों की पूजा की जाती है। इस बार पूजा का श्रेष्ठ मुहूर्त सूर्योदय से लेकर शाम को 5रू32 तक है। जिसमें शुभ चौघड़िया प्राप्त होने पर श्रेष्ठ मुहूर्त प्राप्त होगा। श्रेष्ठ मुहूर्त सुबह 7रू56 से लेकर 8रू24 बजे तक और उसके बाद दोपहर में 12:00 से लेकर 4:00 बजे तक रहेगा।

इंद्र देव का खत्म किया था अभिमान

गोवर्धन पूजा के पीछे सबसे बड़ी मान्यता यह है कि भगवान श्री कृष्ण ने इंद्र का अभियान खत्म किया था तथा इंद्र के प्रकोप से गोकुल वासियों की रक्षा की थी। इसके बाद भगवान श्री कृष्ण ने स्वयं कार्तिक शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि के दिन 56 प्रकार के भोग बनाकर गोवर्धन पर्वत की पूजा करने का निर्देश दिया था।

तभी से गोवर्धन पूजा की प्रथा आज तक कायम है और हर साल गोवर्धन पूजा का त्यौहार बड़े ही धूमधाम के साथ सर्वत्र मनाया जाता है। गोवर्धन पूजा में तरह–तरह के पकवान बनाकर भोग लगाया जाता है। चावल, खीर, पूरी, सब्जी, कड़ी, आदि अनेकों प्रकार के व्यंजन बनाकर तथा अन्न का पहाड़ बनाकर भगवान श्री कृष्ण को समर्पित किया जाता है।

इस दिन भक्तों द्वारा छप्पन प्रकार के भोग बनाकर भगवान श्री कृष्ण को अर्पित किए जाते हैं । 56 तरह के पकवानों को अन्नकूट बोला जाता है। यह विशेष कर मंदिरों में आयोजित किया जाता है।

बनाई जाती है बैल की छोटी आकृतियां

इस दिन लगने वाले भोग को प्रसाद के रूप में वितरित किया जाता है। गोवर्धन पूजा के लिए सबसे पहले घर एवं आंगन की साफ सफाई करनी चाहिए। इसके साथ ही गाय और बैल की छोटी–छोटी आकृतियां भी बनाई जाती हैं।

गाय तथा बैलों को स्नान आदि करा कर पूजन भी किया जाता है। इस पूजा का आरंभ ब्रज भूमि से हुआ था। धीरे–धीरे संपूर्ण भारतवर्ष में फैल गया । यह पूजा प्रकृति पूजा से जुड़ा हुआ माना जाता है। इस दिन शरीर पर तेल लगाकर मालिश करके स्नान करने चाहिए।

प्रयागराज रूट से छठ पूजा पर 15 स्पेशल ट्रेनें चलेंगी

रेलवे ने जारी की समय सारिणी, दिल्ली, बिहार, गुजरात रूट पर मिलेगी सहूलियत

प्रयागराज। ट्रेनों में उमड़ रही जबरदस्त भीड़ को देखते हुए रेलवे ने अब दिवाली के साथ ही छठ पूजा के लिए स्पेशल ट्रेनों का संचालन शुरू कर दिया है। हर रूट कवर हो, इसे लेकर रेलवे अधिकारी मंथन कर ट्रेनों का संचालन बढ़ा रहे हैं। उत्तर मध्य रेलवे की ओर से दिल्ली, बिहार, गुजरात रूट को कवर करने के लिए ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। फिलहाल रेलवे ने 15 स्पेशल ट्रेनों की समय सारिणी जारी की है।

छठ पूजा स्पेशल के तौर पर रेलवे ट्रेन नंबर 04619 अगरतला एक्सप्रेस चलाएगा। यह ट्रेन तीन को चलेगी।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 04040/04039 आनंद विहार टर्मिनल.–भागलपुर–आनंद विहार ट. अरक्षित त्योहार विशेष एक्सप्रेस चलेगी। यह ट्रेन आनंद विहार ट. से 02 नवंबर को चलेगी। जबकि भागलपुर से 3 नवंबर को संचालित होगी।

ट्रेन नंबर 02252ध्02251 नई दिल्ली–पटना–नई दिल्ली वंदे भारत त्योहार स्पेशल भी चलाई जाएगी। यह ट्रेन 02252 नई दिल्ली–पटना एक्सप्रेस छह नवंबर से 20 नवंबर तक संचालित होगी।

ट्रेन नंबर 02251 पटना–नई दिल्ली एक्सप्रेस 7 नवंबर से 20 नवंबर तक चलेगी।

इसके अलावा गाड़ी संख्या 09001/09002 उधना–जयनगर–उधना विशेष गाड़ी उधना और जयनगर से चार नवंबर को संचालित होगी।

गाड़ी संख्या 09005/09006 उधना–छपरा–उधना अनारक्षित विशेष गाड़ी उधना से 3 नवंबर जबकि छपरा से चार नवंबर को चलेगी।

ट्रेन नंबर 09115/09116 वड़ोदरा–धनबाद–गोधरा विशेष ट्रेन 4 नवंबर को संचालित होगी।

ट्रेन नंबर 02587/02588 गोरखपुर–लोकमान्य तिलक ट. –गोरखपुर अनारक्षित त्योहार विशेष ट्रेन

गोरखपुर से 01, 08 और 15 नवंबर को चलेगी।

05113/05114 छपरा–लोकमान्य तिलक ट.–छपरा त्योहार विशेष ट्रेन छपरा से 03, 10 और 17 नवंबर को चलेगी।

लोकमान्य तिलक ट. से 04, 11 और 18 को संचालित होकर तीन फेरे लगाएगी।

प्रयागराज में सड़क हादसे में मीडियाकर्मी की मौत

बाइक डिवाइडर से टकराई, भाजपा नेता के घर से लौट रहे थे देवेंद्र लकी

प्रयागराज। प्रयागराज के रहने वाले पत्रकार देवेंद्र कुमार राय उर्फ लकी की देर रात सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। हादसा करबला पुलिस चौकी के पास हुआ। वह बाइक से सिविल लाइंस लौट रहे थे तभी तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकरा गई। इसमें लकी को गंभीर चोट आई और उन्होंने दम तोड़ दिया।

44 साल के लकी प्रयागराज में सिटी केबल नेटवर्क से जुड़े रहने के साथ ही कई टीवी चौनलों में काम कर चुके हैं। लकी शुक्रवार की रात भाजपा नेता अनुराग संत के घर उनसे मिलने गए थे। वहां से देर रात लौटते वक्त हादसे का शिकार हो गए।

सिविल लाइंस स्थित घर पर लोग श्रद्धाजंलि देने पहुंच रहे हैं। पोस्टमार्टम के बाद शव को डॉ. कार्तिकेय शर्मा के पड़ोस वाले घर ले जाया जाएगा। लकी की मौत पर सभी संगठनों ने दुख जताया है।

ग्राम शिल्प मेले के कवि सम्मेलन में कवियों ने बांधी समां

तुमको शहर अच्छा लगा,मुझे गांव घर अच्छा लगा

नैनी। राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम के परिसर में आयोजित ग्राम शिल्प मेले के मंच पर पहुंचे कवियों ने श्रोताओं के बीच खूब वाहवाही लूटी। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता गीतकार आनंद श्रीवास्तव और संचालन चर्चित हास्य व्यंग्य के कवि अशोक बेशरम में किया।

राधा शुक्ला द्वारा प्रस्तुत वाणी वंदना के उपरांत कवि सम्मेलन के संयोजक संतोष शुक्ला समर्थ ने कहा– पीपल की बरगद की छांव छू के चला था मैं।घर से मैं अपनी मां के पांव छू के चला था।जितेंद्र जलज का गीत –चंदन है पानी है और क्या,दुनिया कहानी है और क्या भी खूब साराहा गया।कृष्ण कांत कामिल ने पढ़ा–किसी की दूर से औकात ना आंकिये कामिल,पहाड़ दूर से छोटा दिखाई देता है। फतेहपुर से आए श्रृंगार के कवि प्रखर श्रीवास्तव ने अपने प्रेम गीतों पर खूब वाहवाही लूटी तो वहीं ओज कविता के नए तेवर बबलू सिंह बहियारी ने चंद्रशेखर आजाद के संकल्प शौर्य को काव्य पंक्तियों द्वारा नमन किया। धनंजय शाश्वत ने भी कार से जाकर राशन हर माह ले रहे हैं, जैसी पंक्तिओं पर राशन वितरण व्यवस्था की विसंगतियों को लेकर तंज कसे। निखिलेश की ओज कविताएं भी सारही गईं। इस दौरान मेले के आयोजक दत्तात्रेय पांडेय शशांक शेखर के साथ मुख्य अतिथि कोरांव नगर पंचायत के अध्यक्ष ओम केसरी ने सभी कवियों का मंच पर सारस्वत सम्मान किया। इस मौके पर प्रियांशु श्रीवास्तव,आशीष शर्मा,आनंद पांडेय,अजीत पांडेय,के.एन. शुक्ला,अभिषेक शर्मा समेत बड़ी संख्या में श्रुति मौजूद रहे।

पत्रकार साथी के असमायिक निधन पर एनयूजे प्रयागराज ने जताया दुख दी श्रदाजँली

प्रयागराज। प्रयागराज के पत्रकारिता जगत का चमकता हुआ एक सितारा आज हम सब को अलविदा कह गया। इलाहाबाद का तेज तर्रार शालीन पत्रकारों में शुमार होने वाले देवेंद्र राय की देर रात चकिया में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। यकीन तो नहीं होता लेकिन होनी को कौन टाल सकता है। ईश्वर को शायद यही मंजूर था। देवेंद्र की अभी बहुत ही कच्ची फैमिली है बच्चे भी छोटे है। ईश्वर से प्रार्थना है कि उनके परिवार को इस दुख को सहने की शक्ति दे। साथ ही देवेंद्र की आत्मा को शांति प्रदान करे।इस दुख की घडी मे शोक संतप्त परिवार के साथ एनयूजे प्रयागराज खडा है । दिवगंत साथी को सादर विनम्र श्रदाजँली।

विश्व नाथ इकाई का काव्य गोष्ठी सम्पन्न

विश्वनाथ चारिआलिस

शहर समता महिला काव्य मंज का मासिक काव्य गोष्ठी का शुभारंभ सैयदा आनोवारा खातून की संजोजन में और मानव दे के संचालन में मंच का शुभारंभ जिलाध्यक्षा सैयदा आनोवारा खातुन ने सरस्वती की मूर्ती पर माल्यार्पण और द्वीप प्रज्वलन के साथ –साथ एक सुंदर सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी।

आज के कविता मंच पर उपस्थित थे मुख्य अतिथि के रुप मे —चुनाव मिर्जापुर ,उत्तर प्रदेश से बरिष्ठ साहित्यकार मनोज द्विवेदी देहरादुन उत्तराखंड से मशहूर गजलकार आलम मुसाफिर , उत्तर प्रदेश मेरठ से मशहूर गजलकार मेहंदी हसन, विशिष्ट अतिथि के रुप में उत्तर प्रदेश नागपुर से वरिष्ठ साहित्यकार ,लेखिका , कवियत्री अन्नपूर्णा वाजपेई , गुवाहाटी से वरिष्ठ साहित्यकार लेखक सभीक्षक जाकिर हुसैन श्बेलमश डिब्रुगड़ असम से लेखिका आदरणीय उर्मिला जी, राजीव गांधी विश्वविद्यालय (अरुणा चल प्रदेश) इटानगर के सहायता आचार्य ,(हिंदी विभाग) डॉ राजीव रंजन प्रसाद , गुवाहाटी से लेखिका एवं शिक्षिका आभा कुमारी चौधरी , विश्वनाथ चारिआली असम से शिक्षिका, रुखसार पारवीन , शिक्षिका जेसमीन बेगम जी, बंगाईगांव (असम)से युवा कवि हिंदी सेवी , मानव दे जी तेजपुर असम से बरिष्ठ लेखिका कुसुम टिब्रेयाल जी और विश्वनाथ चारिआलि असम से युवा कवियत्री, शिक्षिका ,(शहर समता महिला काव्य मंच विश्व नाथ इकाई असम)की जिलाध्यक्षा सैयदा आनोवारा खातून जी . उपस्थित थे । मंच पर सभी ने अपनी अपनी सुंदर गीत गजल, नज्म,और कवकविता से चार चांद लगा दिए चाहे वह आनुवारा जी की ष्दो बुंद आंसू ही तो है जो दो आंखों से निकल दिल –ए –दर्द वायां कर जाते हैं या ष् कुसुम जी की ष्भारत एक

ऐसा देश है ष्आलम केषालतियों से भरा हुं सुन तो लो कब कहां खरा हू सुन तो लो आभा जी की बड़ी इठलाकर बड़ी बलखाकर निकली मेरी सवारी मानव जी ने ष्देखा जब मैं हिमालय मनोहर और आकर्षक था ष् अन्नपूर्णा जी की ष् ना गद्दारी देश से करना ना ही शोले भड़कना रुखसार जी ने ष्नारी ष्पर और ने ष्उर्मीला जी ने देशप्रेमष् पर कविताएं पाठ किए।

आनुवारा खातुन जी की संजोजन और मानव दे के संचालन में आज का काव्य मय शाम बहुत ही सुंदर और सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई।मंच में उपस्थित सभी को धन्यवाद ज्ञापन जिलाध्यक्षा सैयदा आनोवारा खातून ने दिया।

चौदह यम में चित्रगुप्त

कार्तिक माह एक ऐसा पवित्र माह है जिसके गर्भ में समाए तीज और त्योहार की महत्ता को पुराण और स्मृतियाँ आध्यात्मिक एवं व्यवहारिक आधार देती हुई प्रतीत होती हैं।

इसी माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया को भाईदूज और भगवान चित्रगुप्त की पूजा प्रत्येक कायस्थ परिवार में होती है। अब जेहन में यह प्रश्न उठता है चित्रगुप्त हैं कौन और चित्रगुप्त पूजनोत्सव मात्र कायस्थ के परिवार में क्यों मनाया जाता है ? स्मृतियों में चौदह यम के नाम आये हैं जो इस प्रकार हैं— धर्मराज,मृत्यु,अंतक,वैवस्वत, काल,सर्वभूत, क्षय,उदुंबर,दह्न,नील,परमेष्ठी,वृकोदर, चित्र और चित्रगुप्त। अलग–अलग पुराणों में चित्रगुप्त जी की अभिव्यक्ति —— काल के नियन्ता,न्याय ब्रह्म या न्याय पुरुषोत्तम, पुण्य और पाप के निष्पक्ष विचारक के रूप में प्रतीत होती है।

भगवान चित्रगुप्त परमपिता ब्रह्मा जी के अंश से उत्पन्न हुए थे। इसकी कथा इस प्रकार है कि सृष्टि के निर्माण हेतु जब विष्णु जी ने अपनी योगमाया से सृष्टि की कल्पना की तो उनकी नाभि से एक कमल निकला जिस पर एक पुरुष आसीन था। यही आसीन पुरूष ब्रह्मा कहलाए। इन्होंने सृष्टि की रचना के क्रम में देव–असुर,गंधर्व ,अप्सरा, स्त्री–पुरूष, पशु–पक्षी को जन्म दिया।इसी क्रम में यमराज का जन्म हुआ जिन्हें धर्मराज की संज्ञा प्राप्त हुई क्योंकि धर्मानुसार उन्हें जीवों के कर्मों के अनुसार निर्णय लेने का कार्य प्राप्त हुआ। पद्म पुराण के पाताल खण्ड में वर्णित है –धर्मराज ने ब्रह्मा जी से अनुनय किया कि हे प्रभु! आपकी इस विशालकाय सृष्टि को मैं अकेले कैसे संभाल सकता हूँ? इस कार्य को सुचारु रूप से संपादित करने के लिए मुझे एक मित्र चाहिए। ब्रह्मा जी ने धर्मराज को मधुर शब्दों में आदेश दिया कि आप अपने स्थान पर लौट जायें,आपको शीघ्र आपका साथी मिल जाएगा।

धर्मराज के जाने के बाद ब्रह्मा जी चिंतित होकर इसके निदान हेतु समाधिस्थ हो गए। कहते हैं कि ग्यारह हजार वर्ष तक समाधिस्थ ब्रह्मा जी की काया से——

तच्छरीशन्महाबाहुरू श्यामरू कमल लोचनः।
कम्बुग्रीवोगूढ़शिरारू पूर्ण चन्द्र निभाननः।।
सउत्तरीयों धर्मात्मा लोकानां हितकारकः।
लेखनी पट्टिका हस्तरू मसीभाजन संयुतः।।

कमल के समान नेत्र वाले, चन्द्रमा के समान मुख वाले, ग्रीवा शंख के समान, विशाल पुरुष का प्राकट्य हुआ जिनका शरीर श्याम वर्ण तथा हाथ में लेखनी –दवात थी, ब्रह्मा के सामने खड़े हो गए। ब्रह्मा जी ने पूछा कि आप कौन हैं ? पुरुष ने ब्रह्मा से कहा कि मैं आपकी समाधि से प्रकट होकर आपके सामने उपस्थित हूँ। ब्रह्मा जी ने चित्रगुप्त जी से निवेदन किया कि आपकी उत्पत्ति मेरी काया से हुई है, इसलिए आप मेरे प्रिय हैं तथा समस्त सृष्टि में आप कायस्थ कुल नियन्ता के रूप में पूज्य होंगे। आप धर्मराज की संयमिनीपुरी में दृष्टा और न्यायाधीश हैं।

भविष्य पुराण के अनुसार श्री चित्रगुप्त जी ने लोक व्यवहार की स्थापना के लिए पारिवारिक जीवन स्वीकार किया। ऋग्वेद के अनुसार इनकी दो पत्नियाँ हैं। चित्रगुप्त जी का पहला विवाह क्षत्रिय वर्ण के विश्वभाव के पुत्र श्राद्ध देव मुनि की कन्या दक्षिणा(नन्दनी) से हुआ। दूसरा विवाह ब्राह्मण वर्ण के कश्यप ऋषि के पोते सुशर्मा की पुत्री इरावती से हुआ। पहली पत्नी से चार पुत्र– भानु,विभानु,विश्वभानु और वीर भानू और दूसरी से आठ पुत्र हुए—— चारु, चितचारुर, मतिभान, सुचारु, चारुण,हिमवान, चित्र और अतीन्द्रिय। इन्हीं बारह पुत्रों के नाम से बारह कायस्थ बिरादरी का जन्म हुआ, जिन्हें बारह अलग–अलग नामों से जाना जाने लगा ,जो आज भी प्रचलित है। कायस्थों की स्थिति पर स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि मैं अपनी वंशावली उस व्यक्ति से मानता हूँ जिसके चरणों में हर ब्राह्मण फूल चढ़ाता है और जब वह ये शब्द बोलता है।

ष्यमाय धर्मराजाय चित्रगुप्ताय वै नमः।

और जिनके वंशज सबसे शुद्ध क्षत्रिय हैं।

डॉ०प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

बंद घरों में एक ही रात गहनें तथा कीमती सामानों की हुई चोरियां, हड़कंप

लालगंज, प्रतापगढ़। बंद घरों में लालगंज तथा लीलापुर थाना क्षेत्र में बदमाशों ने चोरी की वारदात अंजाम देकर कीमती सामानों पर हाथ साफ कर दिया। पहली घटना के तहत लालगंज कोतवाली के कैथौला बाजार निवासी दल बहादुर सिंह सपरिवार प्रयागराज में नौकरी के सिलसिले में रहते है। दीपावली पर वह घर आये थे। शुक्रवार की रात चोरों ने बंद घर से कीमती सामानों पर हाथ साफ कर दिया। शनिवार की सुबह ग्रामीणों ने दल बहादुर का दरवाजा खुला देखा तो चोरी की आशंका हुई। पीडित को ग्रामीणों ने सूचना दी। सूचना पर चौकी प्रभारी विवेक यादव फोर्स के साथ पहुंचे। पुलिस ने जांच कर कार्रवाई की बात कही है। इधर लीलापुर थाने के धामापुर निवासी रामसेवक शुक्ल के पुत्र प्रवेश कुमार भी दिल्ली में कारोबारी के सिलसिले में रहते हैं। शुक्रवार की रात प्रवेश के घर में भी बदमाश छत के रास्ते घुस गये। बदमाशों ने पीड़ित के घर से आलमारी व बाक्स तोडकर सोने की सात अंगूठी, पांच जंजीर, एक पायजेब, करधन आदि जेवरात के साथ एलईडी टीवी व एसी चोरी कर ले गये। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची तो घर के अंदर के सामान बिखरे मिले। प्रभारी निरीक्षक नरेन्द्र सिंह का कहना है कि जांच कर शीघ्र घटना का खुलासा किया जाएगा।

बाइक की टक्कर से बुजुर्ग की मौत, कोहराम

लालगंज, प्रतापगढ़। घर से टहलने निकले बुजुर्ग की दुर्घटना में मौत हो गयी। मौत की सूचना घर पहुंची तो परिजनों मे कोहराम मच गया। लीलापुर थाने के बोझवा निवासी मो. शरीफ 60 शुक्रवार की शाम साढे पांच बजे घर के आसपास टहलने निकले थे। गांव के प्राथमिक विद्यालय के पास एक बाइक ने शरीफ को टक्कर मार दी। ग्रामीण व परिजन घायल को लेकर आननफानन में लालगंज ट्रामा सेण्टर पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने मो. शरीफ को मृत घोषित कर दिया। प्रभारी निरीक्षक नरेन्द्र सिंह का कहना है कि तहरीर मिलने पर केस दर्ज कर आरोपी बाइक चालक के खिलाफ कडी कार्रवाई की जाएगी।

सर्पदंश से महिला की मौत, कोहराम

लालगंज, प्रतापगढ़। सर्पदंश से महिला की मौत हो गयी। मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। लालगंज कोतवाली के भीमपुर सारीपुर निवासी पप्पू की पत्नी देवकला 44 शुक्रवार की रात अपने घर में तख्त पर सो रही थी। रात करीब बारह बजे तख्त पर चढ़कर जहरीले सांप ने देवकला को डस लिया। चीखपुकार सुन परिजन आननफानन में देवकला को लालगंज ट्रामा सेण्टर इलाज के लिए लेकर पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शनिवार को पुलिस ने शव का पंचनामा कर पीएम के लिए जिला अस्पताल भेजवाया है।

दीपावली पर बाबा घुइसरनाथ धाम में हुई आदिगंगा सई की भव्य आरती, पूजे गये धार्मिक ग्रन्थ

लालगंज, प्रतापगढ़। दीपावली पर्व पर बाबा घुइसरनाथ धाम में सामूहिक आरती में श्रद्धालुओ की भीड उमड़ी दिखी। आदिगंगा सई आरती अभियान को लेकर दीपावली पर परम्परागत आरती में श्रद्धालुओं ने धार्मिक ग्रन्थ श्रीरामचरितमानस व श्रीमदभागवतगीता तथा श्री बाल्मीकि रामायण का विधिविधान से पूजन अर्चन भी किया। कार्यक्रम के संयोजक ज्ञानप्रकाश शुक्ल तथा संरक्षक स्वामी जितेन्द्र तिवारी, अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश ने ग्रन्थ पूजन के बाद सई घाट पर सामूहिक दीप प्रज्ज्वलित किया। श्रद्धालुओं ने आदिगंगा सई मइया की आरती उतारी। आयोजन में सई की स्वच्छता को लेकर घाट पर एकत्रित बडी संख्या में श्रद्धालुओं ने सामूहिक संकल्प भी लिया। अभियान के तहत बाबा घुइसरनाथ जी के समक्ष भी लोक कल्याण के निमित्त सामूहिक दीप जलाए गए। कार्यक्रम के सह संयोजक पं. शिव नारायण शुक्ल व पं. विपिन शुक्ल ने श्रद्धालुओं को संकल्प ग्रहण कराया। संयोजक ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने कहा कि पुराणों में सई को आदिगंगा के रूप में पूजा गया है। ऐसे में उन्होनें आरती में शामिल श्रद्धालुओं से सई की स्वच्छता के लिए स्वजागरूकता का आहवान किया। इस मौके पर संयुक्त अधिवक्ता संघ के पूर्व उपाध्यक्ष संतोष पाण्डेय, अधिवक्ता सिंटू मिश्र, दिनेश सिंह, महेन्द्र मिश्र, जितेन्द्र तिवारी, आईपी मिश्र, हरिश्चंद्र अग्रहरि, आचार्य राजेश मिश्र, आचार्य त्रिवेणीधर शुक्ल आदि रहे।

पूर्व छात्र सम्मेलन में संस्कृति व शिक्षा की महत्वता पर हुआ मंथन

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर के सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कालेज में परम्परागत पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में पूर्व छात्र परिषद की सामाजिक प्रासंगिकता व विकास पर मंथन हुआ। बतौर मुख्य अतिथि रज्जू भैया विश्वविद्यालय में कृषि विभाग के डीन एवं भारतीय नीति आयोग के कृषि सलाहकार राजेन्द्र प्रसाद तिवारी ने कहा कि राष्ट्र की संस्कृति तथा शैक्षिक मूल्यों को प्रेरणा देने के लिए पूर्व छात्र परिषद का सामाजिक उत्तरदायित्व सदैव महनीय रहा है। उन्होने पूर्व छात्र परिषद से आहवान किया कि नई शिक्षा नीति से युवा पीढ़ी को लाभान्वित करने के लिए वह मार्गदर्शक भूमिका निभाये। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राथमिक विद्यालय डगरारा के प्रधानाचार्य एवं परिषद के अध्यक्ष ऋषि द्विवेदी एवं संचालन शिवेन्द्रमणि द्विवेदी ने किया। कार्यक्रम में सामाजिक क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए संस्कृत प्रवक्ता शास्त्री सौरभ त्रिपाठी, लवलेश शुक्ल, अनुराग पाण्डेय तथा नवचयनित भविष्य निधि आयुक्त अपूर्व मिश्रा को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। विशिष्ट अतिथि बिहार प्रदेश में राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी प्रशान्त त्रिपाठी एवं न्यायिक सेवा के अधिकारी पायल त्रिपाठी रहे। प्रधानाचार्य उमाशंकर मिश्र ने अतिथियों का स्वागत एवं केके सिंह ने आभार प्रदर्शन किया। संयोजक आचार्य प्रमोद पाण्डेय ने पूर्व छात्र परिषद की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर महर्षि पाण्डेय, डॉ. आशुतोष तिवारी, आशीष कुमार त्रिपाठी, अजेन्द्र सिंह, अम्बरीश मिश्र, दीपेन्द्र ओझा, साक्षी शुक्ला, दक्षिणा ओझा, प्रीति तिवारी, डॉ. बलवन्त प्रजापति, अखिलेश प्रकाश, प्रदीप, मोहित, रजनीश आदि रहे।

दिनदहाड़े नकाबपोश बदमाशों ने पेट्रोल पम्प से उड़ाये कैश, एएसपी ने उदयपुर पुलिस को लगायी फटकार

लालगंज, प्रतापगढ़। नकाबपोश बाइक सवार बदमाशों ने पेट्रोल पम्प के सेल्समैन को तमंचा तानकर बैग में रखा चालीस हजार कैश दिनदहाड़े लूटकर भाग निकले। पेट्रोल पम्प पर लूट की घटना से हडकंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही लालगंज सीओ रामसूरत सोनकर व जिले के अपर पुलिस अधीक्षक संजय राय भी आननफानन में घटनास्थल पर पहुंचे। उदयपुर थाना क्षेत्र के राहाटीकर में केपी इंसान फिलिंग पेट्रोल पम्प है। पम्प के संचालन शेर बहादुर सिंह इंसान पुत्र भवानीशंकर सिंह ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि शनिवार दोपहर लगभग साढ़े ग्यारह बजे एक सफेद अपाचे पर बाइक सवार तीन नकाबपोश युवक आ धमके। बदमाशों ने पम्प पर मौजूद सेल्समैन अर्जुन केवट के सिर में तमंचा लगाकर बैग में रखा उन्तालिस हजार छः सौ सतासी रूपये लूटकर रेहुआ लालगंज रोड की तरफ भाग निकले। जानकारी मिलने पर पम्प संचालक भी वहां पहुंचे। पेट्रोल पम्प पर लूट की दिनदहाडे घटना की जानकारी बाजार में हुई तो बडी संख्या में लोग घटनास्थल पर इकटठा हो गये। अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी संजय राय व सीओ रामसूरत सोनकर भी मौके पर पहुंचे। एएसपी ने उदयपुर एसओ राधेबाबू को कर्रा करते हुए घटना के खुलासे व बदमाशों की गिरफ्तारी के कडे निर्देश दिये हैं।

मूर्ति

घुल जाएगी, गल जाएगी
मिट्टी मिट्टी में मील जाएगी।।

बड़े जतन से मूर्ति लातें
गातें और ताली बजातें
माला–फूल और नैवेद्य
अर्पण करके आरती गातें
ज्योति जल जल मुस्काएगी ।

मत फेंकों इधर उधर तुम
खोएं किन सभ्यता में गुम
जब तक रहती घर में यह
बजती पायल सी रुनझुन
दिन बदल गएं,मन बदल गया
श्रद्धा यू ही तिल तिल जाएगी।

सोचो, समझों और विचारों
श्रद्धा को तुम यूं न मारों
मूर्ति लातें हो जब गृह में
मन को भी थोड़ा बुहारों
देखो हिय फिर खिल जाएगी।

सुनीता जौहरी
वाराणसी

सम्पादकीय.....

आत्मनिर्भरता की उड़ान

अक्सर कहा जाता रहा है कि भारतीय सेना के युद्धक व मालवाहक विमान पुराने पड़ चुके हैं। निस्संदेह, वायुसेना व सेना को इसकी कीमत भी चुकानी पड़ती थी। लेकिन यह सुखद है कि देश में पहली बार एक स्वदेशी निजी कंपनी आत्मनिर्भर भारत अभियान को संबल देकर देश में सेना के लिये युद्धक घविमानों का निर्माण करेगी। जब वडोदरा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके स्पेनिश समकक्ष पेद्रो सांचेज ने टाटा एअरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स में इस महत्वाकांक्षी परियोजना की बुनियाद रखी, तो निश्चय ही भारत एक नये युग में प्रवेश कर रहा था। पहली बार कोई निजी कंपनी विमान निर्माण के क्षेत्र में कदम रख रही थी। वह भी देश का भरोसेमंद और एअर इंडिया का उद्धार करने वाला टाटा समूह का उपक्रम। निश्चित ही हम 'मेक इन इंडिया' के संकल्प को हकीकत बनता देख रहे हैं। साथ ही हम उस दाग को धोने की तरफ भी आगे बढ़े हैं कि जिसके बाबत कहा जाता है कि भारत दुनिया के सबसे बड़े हथियार खरीददार देशों में शुमार है। उल्लेखनीय है कि टाटा एडवांस सिस्टम्स लिमिटेड और स्पेन की एअरबस के संयुक्त उपक्रम में 40 सी–295 विमानों का निर्माण होगा। यह भी कि स्पेन व भारत के मध्य कुल 56 विमानों को लेकर समझौता हुआ था, जिसमें 16 तैयार विमान स्पेन से भारत को मिलने हैं। दरअसल, सी–295 विमान सैनिकों, साजो–सामान तथा हथियारों को लाने–ले जाने में खासा मददगार होता है। साथ ही यह छोटी हवाई पट्टी व दुर्गम इलाकों से भी उड़ान भर सकता है। यह अच्छी बात है कि बीते कुछ वर्षों में भारत सरकार ने उन्नत एवं तकनीकी क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ाने को अपनी प्राथमिकता बनाया है। जिसमें रक्षा उत्पादों, इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों, इलेक्ट्रिक वाहनों, ग्रीन हाइड्रोजन तथा सेमीकंडक्टर का उत्पादन शामिल है। अपने इस अभियान में सरकार ने न केवल विदेशी निवेश को आमंत्रित किया बल्कि देश के निजी क्षेत्र को भरपूर संसाधन व पर्याप्त मौके उपलब्ध कराए हैं। तय मानिये कि आने वाले वाले वर्षों में इसके सकारात्मक परिणाम मिलेंगे।निश्चित रूप से केंद्र सरकार की ऐसी कोशिशों से जहां हम रक्षा उत्पादन के क्षेत्रों में आत्मनिर्भर होंगे, वहीं इससे देश में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। ऐसा करके हम न केवल अपने दुर्लभ विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ा सकते हैं बल्कि इन उत्पादों के निर्यात की दौड़ में भी शामिल हो सकते हैं। यकीनी तौर पर देश की अर्थव्यवस्था को भी इससे बड़ा संबल मिलेगा। बहरहाल, यह तय है कि भारतीय सेना में सी–295 विमानों के शामिल होने से हम पुराने रूसी विमानों के जोखिम से भी बच सकेंगे। साथ ही सामरिक क्षेत्र में यह देश की बढ़त भी होगी। वहीं देश में रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे। कहा जा रहा है कि देश में सी–295 की निर्माण परियोजना से तीन हजार प्रत्यक्ष और 15 हजार परोक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इसके अलावा बड़ोदरा व उसके आसपास के इलाके की आर्थिकी को नई गति भी मिलेगी। वहीं इन विमानों में उपयोग होने वाले स्वदेशी कल–पुर्जों से भी विभिन्न आय के साधन विकसित होंगे। विगत के अनुभव रहे हैं कि भारत के मुश्किल वक्त में हथियारों की आपूर्ति में विदेशी सरकारों ने मदद करने में आनाकानी की थी। लेकिन बहुत संभव है कि सी–295 परियोजना की सफलता के बाद भारत रक्षा उत्पादों के निर्यात में भागीदारी कर सकेगा। संभावना यह भी कि कालांतर देश में ऐसी विशिष्ट उत्पादों के निर्माण की संस्कृति विकसित हो, जो न केवल देश को हथियार उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाये, बल्कि भारत की तीनों सेनाओं का मनोबल भी ऊंचा करे। अंततरू देश के समक्ष उत्पन्न किसी भी रक्षा चुनौती का सेनाएं भी तत्परता से मुकाबला कर सकेंगी।

कांग्रेस के आरोपों पर चुप क्यों है सरकार

संतोष शुक्ला

> *अब मामला सिर्फ बचाने तक का नहीं रह गया है वरन, जैसा कि कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा कह रहे हैं कि, माधवी बुच सरकार को ब्लैक मेल कर रही हैं। जबसे सेबी चेयरपर्सन माधवी बुच द्वारा विवादास्पद शेल कम्पनी में पति सहित उनके द्वारा निवेश किये जाने।*

सेबी (सेक्यूरिटिज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया) की अध्यक्ष माधवी बुच को लेकर विवाद गहराता जा रहा है, और जैसे–जैसे दिन बीत रहे हैं, संकेत और भी साफ होते जा रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार उन्हें बचाने की कोशिश कर रही है। अब मामला सिर्फ बचाने तक का नहीं रह गया है वरन, जैसा कि कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा कह रहे हैं कि, माधवी बुच सरकार को ब्लैक मेल कर रही हैं। जबसे सेबी चेयरपर्सन माधवी बुच द्वारा विवादास्पद शेल कम्पनी में पति सहित उनके द्वारा निवेश किये जाने एवं सेबी के अलावा अन्य कम्पनियों से आर्थिक लाभ लेने की खबरें आई हैं, कांग्रेस लगातार सवाल कर रही है। केन्द्र सरकार ही नहीं, भाजपा भी उन्हें बचाने हेतु दौड़ी चली आती है। बुलाये जाने के बावजूद माधवी बुच के पिछले गुरुवार को सार्वजनिक लेखा समिति (पीएसी) के समक्ष उपस्थित न होने से उनके तथा सरकार के संशयास्पद रिश्ते और प्रगाढ़ दिखते हैं। पवन खेड़ा ने प्रेस कांफ्रेंस में आरोप लगाया कि सरकार बुच को बचा रही है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा सोमवार को जारी वीडियो का हवाला दिया जिनमें राहुल पूछ रहे हैं कि श्केन्द्र सरकार के सामने ऐसी क्या मजबूरी है कि वह बुच को बचा रही है? क्या माधवी सरकार को ब्लैकमेल कर रही हैं? राहुल गांधी ने यह भी चेताया कि श्लोकतांत्रिक ढंग से निर्वाचित किसी भी सरकार के लिये यह सम्भव नहीं होता कि वह किसी दागी व्यक्ति को बचाये जिसके बारे में सार्वजनिक डोमेन में स्पष्ट आरोप हों।श राहुल गांधी द्वारा अपलोड किये गये इन वीडियो में पवन खेड़ा बुच पर लगे आरोपों की बारीकियां समझाते दिख रहे हैं। इसके पहले 24 अक्टूबर (गुरुवार) को भी राहुल गांधी ने एक वीडियो जारी किया था जिसमें उन्होंने बताया था कि कांग्रेस के महासचिव एवं सांसद केसी वेणुगोपाल की अध्यक्षता में पीएसी की इस मसले पर उस दिन आयोजित बैठक में माधवी बुच को उपस्थित होना था लेकिन वे यह कहकर उपस्थित नहीं हुईं कि उनके लिये अभी मुम्बई से दिल्ली की यात्रा करना मुमकिन नहीं है।श इसे लेकर राहुल ने भाजपा पर बड़ा हमला करते हुए कहा था कि श्कोई तो है जो उन्हें (बुच को) पीएसी के प्रति जवाबदेह बनने से रोक रहा है।श राहुल ने पूछा था कि श्आखिर क्यों माधवी बुच पीएसी के सवालों का जवाब देने से कतरा रही हैं और उन्हें बचाने की किसकी योजना है? राहुल ने यह सारा कुछ अपने एक्स अकाउंट पर भी अपलोड किया है। बुच के न आने से पीएसी की बैठक को रद्द करना पड़ा था। इसके बाद वेणुगोपाल ने पत्रकारों को बतलाया था कि उन्हें सुबह ही माधवी बुच ने सूचित किया था कि वे दिल्ली आने में असमर्थ हैं। वैसे इसी वर्ष सितम्बर में जब उन्हें लेकर अनेक खुलासे हुए थे तब माधवी एवं उनके पति धवल बुच ने एक संयुक्त बयान जारी कर कहा था कि उन दोनों के खिलाफ लगाये गये सारे आरोप झूठे, असत्य और दुर्भावनापूर्ण हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि उन दोनों के इन्कम टैक्स रिटर्न को आरोप लगाने वालों ने अवैधानिक तरीके तथा धोखाधड़ी से हासिल किये हैं। जिन वीडियोज का जिक्र ऊपर किया गया है वे दरअसल राहुल तथा पवन के पॉडकॉस्ट के हिस्से हैं। इनमें राहुल अपने पार्टी सहयोगी से यह कहते सुने गये हैं कि उन्होंने सेबी अध्यक्ष के खिलाफ काफी सबूत जुटाये हैं। पवन खेड़ा इस बात का सिलसिलेवार ब्यौरा दे रहे हैं कि कैसे एक नियामक संस्था सेबी को सुनियोजित तरीके से कमजोर कर दिया गया जिसका विपरीत असर करोड़ों निवेशकों पर पड़ा है। सेबी का नेतृत्व इन सबकी कीमत पर बड़े कारोबारी घरानों के हितों की रक्षा कर रहा है। बुच कार्पोरेट एजेंडा को जांचने या लगाम लगाने की बजाये उसे और आगे बढ़ा रही हैं। खेड़ा ने याद दिलाया कि 2022 में यह पद सम्हालने वाली बुच निजी क्षेत्र से आई थीं और पहली बार ऐसा हुआ था (इसके पहले कोई वरिष्ठ आईएएस अधिकारी ही यह पद सम्हालता आया था)। उम्मीदों के अनुरूप उन्होंने निजी क्षेत्र के हित पोषण का ही काम किया है। माधवी बुच तब चर्चा में आई थीं जब हिंडेनबर्ग रिपोर्ट ने खुलासा किया था कि उन्होंने तथा उनके पति ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करीबी कहे जाने वाले गौतम अदानी के भाई विनोद अदानी की ऑफशोर कम्पनियों में निवेश किया हुआ है। हालांकि दोनों ने अपने बही–खातों तथा जीवन को खुली किताब बतलाया था। वैसे पुराने आरोपों के अलावा मंगलवार की प्रेसवार्ता में पवन खेड़ा ने एक नया आरोप जड़ दिया है। उन्होंने खुलासा किया कि सेबी चीफ के विनोद अदानी की कम्पनी के अलावा प्रेडिबल हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड में भी शेयर हैं और वहां भी वे पूर्णकालिक सदस्य का पद धारण की हुई हैं। इसे हितों के टकराव की संज्ञा देते हुए खेड़ा ने बताया कि यह श्एकाधिकार बचाओ समूह है जो अदानी ग्रुप, प्रमुख नियामक संस्था (आशयः सेबी) तथा भाजपा का खतरनाक गठजोड़ है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बुच ने अपनी एक प्रॉपर्टी को ऐसी कम्पनी को किराये पर चढ़ाया है जो निजी तौर पर इंडियाबुल्स ग्रुप से सम्बद्ध है और जो फिलहाल जांच के दायरे में है। वैसे तो अब तक बुच दम्पति में से किसी का भी या अदानी ग्रुप का इन आरोपों पर स्पष्टीकरण नहीं आया है लेकिन इस मामले पर सरकार का चुप रहना भी सवालिया निशान खड़ा करता है कि आखिर ब्लैकमेलिंग जैसे गंभीर आरोप जब कांग्रेस की तरफ से लग रहे हैं, तब भी सरकार अपना पक्ष क्यों नहीं रख रही। आखिर चुप्पी तोड़ने के लिए वह किस मौके का इंतजार कर रही है।

एकता की दुहाई बांटने का काम

राजेन्द्र शर्मा

आखिरकार, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की श्हिंदू जागरण यात्राश ने कम से कम बिहार के शासन को जागने पर मजबूर दिया है। किशनगंज में मंत्री महोदय के खिलाफ सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने से संबंधित धाराओं में मुकङ्कदमा दर्ज हुआ है। अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है कि इस मुकदमे ने बिहार की नीतीश कुमार सरकार और भाजपा की गिरिराज लॉबी के बीच पहले ही असहज रिश्तों में तनाव और बढ़ा दिया होगा। वैसे यह मोदीशाही में सांप्रदायिक नारों और आह्वङ्कानों को मुख्ङ्कधारा में स्थापित किए जाने का ही संकेतक है कि मीडिया के लिए खबर गिरिराज सिंह की यात्रा के संबंध में किशनगंज में मुकदमा दर्ज कराए जाने में ही है न कि एक केंद्रीय मंत्री के ऐसी खुल्लमखुल्ला सांप्रदायिक यात्रा पर निकलने में, जिसके चलते अनिच्छुक न्याय प्रशासन को भी आखिरकार मुकदमा दर्ज करना पड़ा है। कहने की जरूरत नहीं है कि यह मामला भी प्रशासन द्वारा कोई स्वतरू संज्ञान लेकर दर्ज नहीं कराया गया है। यह मुकदमा एमएआईएम द्वारा अदालत में शिकायत दिए जाने पर दर्ज हुआ है। याद दिलाते चलें कि केंद्रीय मंत्री की इस यात्रा में, जो सचेत रूप से बिहार के सीमांचल माने जाने वाले चार अपेक्षाकृत अधिक मुस्लिम आबादी वाले इलाकों से निकाली गई, उनके दो आह्वङ्कान खासतौर पर सुर्खियों में रहे हैं। एक तो उनका हिंसा के लिए कथित हिंदू एकता का सांप्रदायिक आह्वङ्कनकृअगर मुसलमान किसी को एक थप्पड़ मारे, तो सब हिंदू मिलकर उसको सौ थप्पड़ मारो। दूसरे, हिंदुओं से हथियार रखने का आह्वङ्कनकृअब घर में भाला, तलवार, त्रिशूल, छुरा रखना शुरू करें। हैरानी की बात नहीं है कि इन व्यावहारिक आह्वङ्कनों के साथ, उग्र हिंदुत्व का प्रदर्शन करने के लिए बराबर चर्चा में रहने वाले मंत्री महोदय ने, उग्र हिंदुत्व के और बड़े आइकॉन, उत्तरप्रदेश के मुख्ङ्कयमंत्री, योगी आदित्यनाथ का ताजातरीन नारा दुहराया, जो आम चुनाव में आम तौर पर देश भर में और खासतौर पर उत्तरप्रदेश में, भाजपा को तगड़ा झटका लगने की पृष्ठङ्कभूमि में दिया जा रहा है–बटोगे तो कटोगे! यह दूसरी बात है कि इस नारे की शुरूआत बंगलादेश की हाल की बड़ी राजनीतिक उठा–पटक के संदर्भ में, वहां हिंदू अल्पसंख्यकों, मंदिरों आदि पर हमलों तेजी के संदर्भ में हुई थी। लेकिन, जल्द ही संघ परिवार ने इसे भारतीय संदर्भ में अपनी इस शिकायत से जोड़ दिया कि उनके विरोधी इंडिया गठबंधन को तो मुसलमानों ने एकमुश्त वोट दिया था, लेकिन हिंदू वोट बंट गया और इसी का नतीजा यह हुआ कि खुद को हिंदू वोट का स्वाभाविक दावेदार मानने वाली भाजपा के मंसूबे अधूरे रह गए। और तो और खुद प्रधानमंत्री मोदी ने भी विशेष रूप से महाराष्टङ्क की अपनी सभाओं में, अपने ही शब्दों में इस शिकायत को दोहराया है। महाराष्टङ्क के आने वाले विधानसभाई चुनाव के लिए हिंदुओं की गोलबंदी की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि उनका वोट बैंक तो एकमुश्त वोट कर देगा, पर आपका वोट बंट गया तो, उनके यहां जश्न हो जाएगा। अगर सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की यह बोली अब आगे महाराष्टङ्क और झारखंड के चुनाव सुनाई नहीं दे तो ही अचरज की बात होगी। वास्तव में महाराष्टङ्क की ही तरह, झारखंड में भी चुनाव की तरीखों की घोषणा से पहले से ही, सांप्रदायिक गोलबंदी की ये पुकारें खुलेआम शुरू हो गई थीं। झारखंड में इस सिलसिले में खासतौर पर उसके बंगाल से लगती हुई सीमाओं वाले जिलों में बसे मुसलमानों को बंग्लादेशी घुसपैठिया बताकर निशाना बनाया जा रहा था। असम के भाजपायी मुख्ङ्कयमंत्री, हिमंत बिश्वशर्मा के नेतृत्व में, असम की ही तरह झारखंड में भी अवैध घुसपैठ से इस इलाके के आदिवासी चरित्र तथा पहचान के खतरे में होने का नैरेटिव गढ़ा जा रहा था। वास्तव में असम के मुख्यमंत्री ने तो भाजपा के सत्ता में आने पर, झारखंड में भी राष्टङ्कीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) कराने का वादा भी करना शुरू कर दिया था। यह दूसरी बात है कि उन्होंने यह बताने की जहमत नहीं उठाई कि उनके असम में, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर, हजारों करोड़ रुपए खर्च कर के जो एनआरसी अपडेटिंग कराई गई थी, उसका आखिर में क्या हुआ? उस एनआरसी को अब वह भाजपा सरकार भी स्वीकार करने के लिए तैयार क्यों नहीं है, जो एनआरसी को सभी समस्याओं का रामबाण इलाज बता रही थी। सभी जानते हैं कि असम में एनआरसी के नतीजे क्योंकि संघ–भाजपा के नैरेटिव के हिसाब से नहीं आये थे और वास्तव में इस एनआरसी में जिन लोगों की भारतीय नागरिकता संदिग्ध पाई गई थी, उनमें बहुमत चूंकि हिंदुओं का था, ये सूचियां सामने आते ही संघ–भाजपा ने पांव पीछे खींचने शुरू कर दिये थे और इस एनआरसी को अस्वीकार करना शुरू कर दिया था। बहरहाल, अब जबकि सीधे आरएसएस के उप–प्रमुख होजबोले ने श्बटेंगे तो कटेंगेश के नारे पर यह कहकर मोहर लगा दी है कि आरएसएस का तो हमेशा से ही यह विचार कर रहा है और वह हिंदुओं को एकजुट करने में लगा रहा है, इस नारे का संघ परिवार द्वारा आगे व्यापक पैमाने पर इस्तेमाल किया जाना तय है। इस सिलसिले में यह याद दिलाना भी अप्रासांगिक नहीं होगा कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने, इस दशहरे के अपने विशेष संबोधन में, बंगलादेश की घटनाओं के संदर्भ से, हिंदुओं के एकजुट तथा संगठित होने की जरूरत पर विशेष जोर तो दिया ही था, जनता के विभिन्न तबकों को एकजुट तथा संगठित करने वाली ताकतों को ही बांटने वाली ताकतें बताकर, इस एकता के लिए उनसे खतरा बताते हुए, खासतौर सचेत किया था। इस क्रम में भागवत ने यह भी स्पष्ट कर दिया था कि संघ और उसका परिवार, उत्पीड़ित–वंचितों को उनके अधिकारों के आधार पर संगठित करने के प्रयासों को, इन तबकों के अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने तथा संघर्ष करने को, हिंदू समाज को बांटने की कोशिशों के रूप में ही देखता है।

बटेंगे तो कटेंगे के नारे में, बटेंगे से कम न ज्यादा, ठीक यही आशय है। संघ–भाजपा के (हिंदू) श्एकताश के नारे और उसके लिए श्बंटनेश के खतरे का बुनियादी खोट, यही है कि उसे हिंदुओं की एकता तो चाहिए और यह एकता अपने संगठन के पीछे चाहिए, लेकिन हिंदुओं को वास्तव में जो चीजें बांटती हैं, उनका निराकरण करने के लिए उसे कुछ भी करना मंजूर नहीं है बल्कि वह तो कुछ भी करने के खिलाफ है। वे सामाजिक रूप से एक यथास्थिति का ही प्रतिनिधित्व करने वाली ताकत हैं। भारतीय संदर्भ में वास्तव में बांटने वाली सबसे बड़ी चीज तो जाति, वर्ण व्यवस्था ही है, जो ऊपर की जाति द्वारा नीचे वाली जाति के दमन पर, उनके मानवीय अधिकारों के हनन पर आधारित व्यवस्था है। बेशक, आधुनिक भारत के निर्माण की प्रक्रिया, जो स्वतंत्रता के लिए संघर्ष के साथ शुरू हुई थी और स्वतंत्रता के बाद कभी तेज तो कभी रुक–रुक कर जारी रही है, जाति पर आधारित इस दमन को ध्वस्त कर, सामाजिक बराबरी की स्थापना के लिए संघर्ष की भी परंपरा रही है। इस परंपरा में सामाजिक आंदोलनों से लेकर, सामाजिक बराबरी पर आधारित व्यवस्था के हमारे संविधान तक, सभी शामिल हैं। लेकिन इस धारा के विपरीत, संघ परिवार शूरूआत से इस विभाजन के दमनकारी के पक्ष के साथ रहा है, न कि दमित पक्ष के। अपने एक सदी के इतिहास में उसने ऊंची जातियों के विशेषाधिकारों की हिमायत से लेकर, निचली जातियों के दमन की सच्चाई को नकारने तक की कई मुद्राएं बदली हैं, जातिप्रथा के महिमा मंडन से लेकर, उसके अस्तित्व से ही इंकार करने तक सिद्घांत गढ़े हैं और अब पिछले कुछ समय से बड़ी हिचक के साथ उसकी सच्चाई को स्वीकार करना भी शुरू किया है।

क्या अब लक्ष्मीजी बेड़ा पार करेंगी

अरविन्द मोहन

दुष्यंत कुमार की कुछ पंक्तियां रह–रह कर याद आती है–न हो कमीज तो पांवों से पेट ढक लेंगे,ये लोग कितने मुनासिब हैं इस सफर के लिए। जी हां, जिस तरह अर्थव्यवस्था की कमजोरियां रह–रहकर सामने आ जाती है और फिर दुनिया में सबसे तेज विकास और पांच ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनने के दावे होते हैं (और सामान्य ढंग से उस पर विश्वास भी किया जाता है) वह बताता है कि सरकार के दावों और आंकड़ों को जांचने–परखने और अपने प्रत्यक्ष अनुभवों के आधार पर उन पर शक करने का काम आम लोगों ने ही नहीं मीडिया ने भी छोड़ दिया है। सभी श्रद्धा–भाव से नत है– कमीज न हो तो पांव से पेट ढककर भी संतुष्ट हैं। कई धनात्मक और ऋणात्मक सूचनाओं के बीच जब यह खबर आई कि कारों की बिक्री थमने लगी है और कंपनियां अपने उत्पाद पर भारी डिस्काउंट देकर अपना स्टाक हल्का करना चाहती हैं तब भी किसी का ध्यान खास नहीं गया। डिस्काउंट दस–दस लाख का है– जाहिर है कारें भी सत्तर –अस्सी लाख की होंगी। फिर जब शेयर बाजार भरभराकर गिरा तब भी कभी हिंडनबर्ग को विलेन बनाने की कोशिश की गई, कभी अमेरिकी बैंकिंग नीति को। निर्यात में कमी की रिपोर्ट आती है तो यूरोप में मांग घटने और अमेरिका में व्यापार संबंधी बाड ऊंची करने को दोष दिया जाता है। करखनिया उत्पादन घटाने को भी खास परेशानी का कारण नहीं माना जाता। ऐसा नहीं है कि हर अर्थव्यवस्था हर समय एक ही दिशा में बढ़ती जाती है लेकिन जब तक उसके इन्डिकेटर सही काम कर रहे हों तब उनके आधार पर नीतिगत और प्रशासनिक बदलाव करके चीजों को सुधारने की कोशिश की जाती है। अपने यहां की मुश्किल कई गुना ज्यादा है क्योंकि बीते कुछ समय से आंकड़ों को बताने और छुपाने या सांख्यिकी विभाग द्वारा जारी होने के पहले सारे आंकड़ों को सरकार की नजर से गुजारने की नीति ने काफी कुछ परदे में कर दिया है। यहां जनगणना से लेकर उपभोक्ता और रोजगार संबंधी सर्वेक्षणों की रिपोर्ट न आने जैसे मामले न भी गिनें तो काफी कुछ ऐसा है जो जानने की उत्सुकता रहती है या जो सही विश्लेषण में मुश्किल पैदा करता है। जैसे पिछले काफी समय से यह अंदाजा लगने लगा था कि उपभोक्ता वस्तुओं की मांग में कमी आई है। हमारे घरेलू बचत में गिरावट और कर्ज में दोगुनी वृद्धि का व्यावहारिक मतलब यही है कि सामान्य आदमी अपने उपभोग में कमी करके इस स्थिति से निपटना चाहता है। प्याजध्टमाटर की महंगाई के समय वित्त मंत्री भी इनकी कम खपत का सुझाव देती ही हैं। अगर इसके ऊपर सब्जियों और अनाज की महंगाई को जोड़ दें तो साफ लगेगा कि सिर्फ उपभोक्ता वस्तुओं की खरीद में ही नहीं पेट काटने का दौर भी शुरू हों चुका है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम आंकड़े बताते हैं कि अर्थव्यवस्था में मंदी या सुस्ती का प्रवेश हों चुका है। आंकड़े बताते हैं कि गांवों में तो उपभोक्ता वस्तुओं की मांग बनी हुई है लेकिन शहरी मांग घटती जा रही है और इसका उत्पादन पर असर दिखाई देता है। कार बाजार उसका एक उदाहरण है। पिछली तिमाही में विकास दर भी गिरी है। पिछले साल जीडीपी का विकास 7.8 फीसदी की दर से हुआ जबकि इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यह 6.7 फीसदी रह गया और दूसरी तिमाही में 6.5 फीसदी पर आ गया है। अब लगता है कि रिजर्व बैंक द्वारा सात फीसदी के विकास का अनुमान पूरा होना मुश्किल होगा। इसकी दो बड़ी वजहें हैं। घरेलू मांग कम होने के साथ अलग–अलग कारणों से यूरोप और अमेरिका में हमारे सामान की मांग घाटी है। दूसरी ओर चीन द्वारा अपने यहां निवेश को बढ़ावा देने की नीतियां लागू होने के बाद से हमारे पूंजी बाजार से हजारों करोड़ रुपए की विदेशी पूंजी बाहर गई है। यह क्रम अभी जारी है और शेयर बाजार में उठा–पटक के लिए यही मुख्य कारण है। चीन अपने यहां नया उत्पादन यूनिट लगाने पर कई तरह के आकर्षक कदम उठा रहा है और वहां बड़े पैमाने पर विदेशी निवेश हो रहा है। आज दुनिया में सबसे ज्यादा तेजी चीनी शेयर बाजार में दिख रही है। पूंजी भागने का सीधा प्रभाव हमको अपने यहां सोने की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि, रुपए के मूल्य में कमी और बाजार की गिरावट में दिखाई देती है। अगर मांग न होगी तो करखनिया उत्पादन भी गिरेगा और नई उत्पादक इकाइयों का लगाना मुश्किल होता जाएगा। जो कारखाने चल रहे हैं उनके वार्षिक कारोबार और मुनाफे की रिपोर्ट भी इसी गिरावट का संकेत देती है। जिन 194 लिस्टेड कंपनियों ने अपने कारोबार और मुनाफे की रिपोर्ट सितंबर तक दी है उनके मुनाफे में छह फीसदी की कमी आई है। पिछले वित्त वर्ष में यह गिरावट और ज्यादा थी। इसका कारण मांग की कमी के साथ अदानों का महंगा होना।

और अन्य खर्चे बढ़ना है। महंगाई की दर से काफी कम दर पर(एक फीसदी से भी कम) मजदूरों की मजदूरी बढ़ी है। जाहिर है इसका मांग पर असर होगा ही। हमारी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण देश में चाहे जो दावे करती हों पर पिछले दिनों जब वे विश्व बैंक–आईएमएफ की वार्षिक बैठक में गईं तो वहां उन्होंने यूरोप–अमेरिका में बढ़ते संरक्षणवाद की शिकायत करने के साथ उन्होंने अर्थव्यवस्था के बदतर होने की शिकायत की और सुधार की उम्मीद का दौर लंबा खींचने की भविष्यवाणी भी कर दी। रिजर्व बैंक भी मान्यता है कि खाद्य पदार्थों की महंगाई चिंताजनक है और इसी चलते वह हाल फिलहाल इन्टरेस्ट रेट में कटौती नहीं कर सकता। अर्थव्यवस्था पर नजर रखने वाले उसके समेत सभी जानकार मानते हैं कि हमारे लिए तत्काल दो चीजें उद्धारक बन सकती हैं। चीन से दोस्ती की आर्थिक वजहें हैं लेकिन पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत तत्काल राहत देने के साथ यह भी संकेत देती है कि वह आगे के संकट में आग में घी डालने नहीं जा रही है। बाजार के जानकार लोग उससे भी ज्यादा दीपावली और त्यौहार के मौसम में मांग और खरीद बढ़ाने से अर्थव्यवस्था में जान आने की आस लगाए बैठे हैं। खेती–किसानी, गांव–देहात सारी उपेक्षा के बावजूद अगर अर्थव्यवस्था को टिकाने वाला बना हुआ है तो लक्ष्मीजी की कृपा पर निर्भरता भी सारे बड़े–बड़े दावों की पोल खोलता है।

रणवीर बरार

बोले– पहला सीन देख हंसल मेहता ने बनाया था ऐसा मुंह कि मैं सुन्न रह गया, सामने थीं करीना

रणवीर बरार, जो एक जाने–माने शेफ हैं, हाल ही में फिल्म श्द बकिंघम मर्डर्सश में नजर आए। उन्होंने बताया कि इस फिल्म के सेट पर जैसे ही उन्होंने अपना पहला शॉट दिया हंसल मेहता ने गंदा से मुंह बनाया था, जिसे देखकर वो परेशान हो गए थे क्योंकि वहां सामने करीना भी मौजूद थीं। उन्होंने कहा– उस सीन के बाद मैं तीन मिनट के लिए सुन्न हो गया। सेलिब्रिटी शेफ रणवीर बरार हालिया फिल्म श्द बकिंघम मर्डर्सश को लेकर चर्चा में हैं रणवीर ने बताया कि उनके पहले सीन पर हंसल मेहता कितना बुरा मुंह बनाया था, सामने करीना थीं उन्होंने कहा– तब गैरत इतनी थी कि दूसरों से पैसे नहीं मांग सकता था, मैं 13–14 दिन सड़कों पर सोया सेलिब्रिटी शेफ रणवीर बरार की जायकेदार रेसिपीज के साथ–साथ खाना पकाते हुए उनकी लच्छेदार बातों से तो आप सभी परिचित हैं ही, मगर अब ये मास्टर शेफ अभिनय की दुनिया में भी अपनी जमीन तलाश रहे हैं। मॉडर्न लव की गे भूमिका के बाद रणवीर बरारा इन दिनों चर्चा में हैं अपनी ताजातरीन फिल्म श्द बकिंघम मर्डर्सश से। उनसे एक खास बातचीत। खाना पकाते–पकाते आप अभिनय की तरफ आकर्षित कैसे हुए? मैं खुद को एक आर्टिस्ट और कहानीकार मानता हूं। चाहे खाना हो या अभिनय, मैं अपनी बात आप तक पहुंचाने की कोशिश करता हूं। तो ये जो स्टोरी टेलिंग का जो फॉर्म है, चाहे वो मुंशी प्रेमचंद की कहानियां हो या चाहे वो फिल्में हों, कहानी कहने का जो तरीका है, उसमें आप अपनी बात से कैसे किसी को छू सकते हैं, वो मेरे लिए अपने आप में शुरू से बहुत फैसिनेटिंग रहा है। यही वो आकर्षण था, जो मैं इस माध्यम की ओर आकर्षित हुआ। मैंने वर्ल्ड सिनेमा बहुत देखा है और मैं थिएटर से भी काफी मुखातिब रहा हूं, हां ये अलग बात है कि इसे करने की कभी हिम्मत नहीं हुई। मगर मैं हमेशा से मानता हूं कि जो जज्बात हमारे अंदर फिल्में पैदा कर सकती हैं, वो कोई और नहीं। फिर मैंने पॉन्डिचेरी में अभिनय का आदिशक्ति नामक एक शॉर्ट कोर्स भी किया। यह कोर्स नाट्यशास्त्र पर आधारित है, जहां मैंने अभिनय की अभिव्यक्ति को समझने की कोशिश की। ये 2015 की बात है, जब मैंने 10 दिन का शॉर्ट कोर्स किया। इसके बाद मैंने इस कोर्स को दोबारा दोहराया और अभिनय की समझ को विकसित करने लगा। अपने अभिनय की शुरुआत आपने मॉडर्न लव में एक गे किरदार से की, इस चरित्र को लेकर कहीं कोई हिचक थी? मैंने जब उस भूमिका के लिए हामी भरी थी, वो मेरे लिए वो एक डिस्कम्फर्ट था। मुझे डिस्कम्फर्ट अच्छा लगता है। जब मैं बावर्ची बना था, तब भी डिस्कम्फर्ट था, क्योंकि तब भी लोगों ने यही कहा था कि ये क्या कर रहा है? मगर सच कहूं, तो मेरे लिए जिंदगी बहुत ही सहज हो गई थी। मुझे लगा कि कुछ असहजता होनी चाहिए और गे के उस रोल में वो बात थी। सब कुछ ठीक–ठाक चल रहा, तो मुझे मजा नहीं आता। हां, ये सोच जरूर थी कि इस रोल से शुरुआत करने के बाद लोग क्या कहेंगे? मगर मैंने सोचा, वो जब होगा, तब देखा जाएगा। एक जाने–माने शेफ के रूप में आप महिलाओं के घरों में पारिवारिक सदस्य की इमेज रखते हैं, ऐसे में द बकिंघम मर्डर्स में मिसोजिनिस्ट (महिलाओं को तिरस्कृत करने वाला) किरदार करने में आपको कितनी चुनौती का सामना करना पड़ा? मुझे लगता है, हम सभी सब कुछ होते हैं। हम दुनिया को एक एक नजरिए से देखना चाहते हैं। हमारे आस–पास ऐसे कई किरदार होते हैं। अब मैं 48 साल का हो गया हूं और इस तरह के लोगों को अपने इर्द गिर्द देख चुका हूं। मेरी कोशिश यही रही है कि अपनी अच्छाइयों के साथ –साथ अपनी कमियों को भी दर्शाऊं, तभी एक्सेप्टेंस आती है। हालांकि मेरे लिए ये रोल बहुत चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि मॉडर्न लव में मेरा किरदार एक शेफ का था, जिसे मोहब्बत थी। उस मोहब्बत को आंखों से दर्शाना आसान था, मगर द बकिंघम मर्डर्स में न आप शेफ हैं और ना ही आपको मोहब्बत है। मगर एक अच्छी बात ये थी कि हम 20 दिन लंदन में थे और पूरे 20 दिन में मैं उसी रोल में खो गया था। घर आकर रणवीर बनने का प्रेशर नहीं था। करीना कपूर जैसी सक्षम अभिनेत्री के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा? करीना कपूर के बारे में क्या कहूं। एक बात बताता हूं, हमारी वालिदा (मम्मी) हैं न वो फिल्म के क्लाइमैक्स के पूरा हो जाने के बाद भी थिएटर में बैठी रहीं। आखिरी सीन ने उन पर इतना गहरा असर डाला, जब एक तरफ करीना बैठी है, जो अपना बच्चा खो चुकी है और दूसरी तरफ प्रभलीन, जिसने अपने बच्चे को मारा है। मेरी मां दुनिया में बहुत कुछ देख चुकी हैं, इसके बावजूद उस सीन और अभिनय ने उन्हें प्रभावित किया। करीना की परफॉर्मेंस बहुत पावर पैक्ड थी। वे एक को–स्टार के रूप में काफी सपोर्टिव रहीं। वे समझती थीं कि मैंने कैसे नर्वस हो सकता हूं? मेरे क्लोज अप्स के सीन में वे हमेशा सामने बैठती थीं, ताकि एक्शन–रिएक्शन का सिलसिला बना रहे। खूबसूरत अदाकारा तो वे हैं ही, मगर निर्माता के रूप में भी उन्होंने कहानी और हर किरदार को महत्व दिया। आप अभी नए अदाकार हैं, तो कोई ऐसा दृश्य था, जहां आपको काफी रीटेक करने पड़े हों? मेरा पहला सीन, जिसमें मैं अपनी पत्नी के रोने पर मैं उसे ताना देते हुए कहता हूं, इसका नलका खुल गया, बहुत ही मुश्किल सीन था। जब पहला टेक हुआ, तो हंसल सर (निर्देशक हंसल मेहता) ने इतना बुरा मुंह बनाया, मेरी परफॉर्मेंस देख कर कि मैं तो सदमे में आ गया। मुझे लगा कि यार ये क्या हुआ। हंसल सर ने मुझे बिना ऑडिशन लिए इतना भरोसा करके ये रोल दिया और मैं क्या कर रहा हूं? और वो भी तब जब सामने करीना बैठी है। उस सीन के बाद मैं तीन मिनट के लिए सुन्न हो गया।मैं सोच में पड़ गया कि क्या मैं इस दुनिया के लिए हूं या नहीं? टेक वन से लेकर टेक टू तक के बीच के वो तीन मिनट थे, उसमें मैंने खुद को संतुलित किया और अपने किरदार को लेकर आगे बढ़ा। मगर सेट का पहला दिन और पहला टेक और हंसल सर का पहला लुक मुझे आज भी याद है। अगर वो लुक नहीं होता, तो आज मैं जो खुद को इस दुनिया का कह पा रहा हूं, वो न कह पाता। अब तो शेफ को एक प्रतिष्ठा मिल गई है, मगर जब आपने खाने–पकाने के क्षेत्र में अपना करियर बनाने की सोची, तब आपको किस तरह के संघर्ष और चुनौती से गुजरना पड़ा था? आप जब एक छोटे–से शहर से होते हैं, तो तब तो आपसे कहा जाता है कि आप डॉक्टर, इंजिनियर या फिर यूपीएससी कर लो। आप धारा से हटके करियर करने के बारे में न तो सोचते हैं न आपको ऐसा करने की इजाजत दी जाती है। पैरेंट्स तो बिलकुल भी सपोर्ट नहीं करते थे। वो जैसा होता है न कि पिताजी के चार दोस्त साथ में बैठ जाते हैं और वो तय करते हैं कि बच्चे क्या करेंगे? शुरू में मुश्किल था। रोज सुबह सेल्फ डाउट आता था, मगर तब भी जिद तो यही थी कि डॉक्टर–इंजीनियर बनकर तो जिंदगी नहीं गुजारनी। शुरुआत में रोजाना 20–20 घंटे काम करता था। फिर धीरे–धीरे हिंदुस्तान बदला और शेफ को रिस्पेक्ट मिली। मास्टर शेफ ने लोगों को एक आइडिया दिया कि खाना–पकाना इतने बड़े स्केल का हो सकता है। आपके लिए सबसे ज्यादा मुश्किल दौर क्या था? और आपने गर्व कब महसूस किया जब मैं यूएस में था और मेरा रेस्टॉरेंट बंद हो गया था। इकोनॉमी डाउन थी और मेरे पास कोई नौकरी नहीं थी। गैरत इतनी ज्यादा थी कि दूसरों से पैसे नहीं मांग सकता था, तो मैं 13–14 दिन सड़कों पर सोया। बोस्टन में ठंड भी खूब थी, मगर स्लीपिंग बैग का सहारा लिया। पार्क के बेंच पर अच्छी नींद आती थी। फिर दोस्त के घर रहने लगा। उसके साथ काम शुरू किया। वो बड़ा दिलचस्प समय था। और सबसे प्राउड मोमेंट तब था, जब मेरे बेटे ईशान ने कहा, पापा– आप खाना अच्छा बनाते हो। ये उसने साढ़े तीन साल की उम्र में कहा था। आज तो वो दस साल का हो गया है।

टीवी क्वीन एकता कपूर और उनकी मां शोभी कपूर जो कि बालाजी टेलीफिल्म्स की मैनेजिंग डायरेक्टर हैं, उनपर कुछ दिन पहले च्व्ब्ब् एक्ट के तहत शिकायत दर्ज की गई थी. इसे लेकर अब एकता कपूर की कंपनी ऑल्ट बालाजी से ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी किया है. स्टेटमेंट में कंपनी ने लगे आरोपों को खारिज किया है और मामले में कानून के साथ सहयोग करने की बात कही है. स्टेटमेंट में लिखा है– श्वेब सीरीज गंदी बात के बारे में अलग–अलग मीडिया रिपोर्ट्स को लेकर, ऑल्ट डिजिटल मीडिया एंटरटेनमेंट लिमिटेड ये साफ करती है कि ये च्व्ब्ब् एक्ट समेत सभी लागू कानूनों को पूरी तरह से फॉलो करती है और कंपनी के नाबालिगों की इंगेजमेंट का कोई भी रेफ्रेंस पूरी तरह से गलत है.श कंटेंट स्ट्रैटेजी भी शामिल नहीं एकता और शोभा कपूर कंपनी ने आगे लिखा है– श्ये आगे साफ किया जाता है कि मिसेज शोभा कपूर और एकता आर कपूर कंपनी के रोजमर्रा के कामों शामिल नहीं हैं और इसे अलग–अलग टीमें मैनेज करती हैं, जिसमें इसकी कंटेंट स्ट्रैटेजी भी शामिल है. कंपनी को न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और जांच में अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग कर रही है. क्योंकि ये मामला कोर्ट में है, इसलिए कंपनी डिटेल से कोई भी कमेंट करने से परहेज करती है.श मुंबई पुलिस ने की एकता और शोभा से पूछताछ बता दें कि एकता कपूर और उनकी मां शोभा कपूर पर आरोप लगा था कि उन्होंने अपने ओटीटी प्लेटफॉर्म स्ट्रीम हुई वेब सीरीज श्गंदी बातश के सीजन 6 में नाबालिगों के अश्लील सीन दिखाए हैं. जिसके बाद उनके खिलाफ च्व्ब्ब् एक्ट के तहत शिकायत दर्ज की गई थी. मुंबई पुलिस ने उनसे इस मामले में पूछताछ भी की है. मुंबई पुलिस के मुताबिक, बालाजी टेलीफिल्म लिमिटेड, एकता कपूर और उनकी मां शोभा कपूर के खिलाफ मुंबई के एमएचबी पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 295–ए, आईटी एक्ट और पॉक्सो एक्ट की धारा 13 और 15 के तहत मामला दर्ज किया गया है.

दंगल गर्ल और बीजेपी नेता बबीता फोगाट ने दंगल फिल्म को लेकर कई बड़े खुलासे किए हैं। बबीता फोगाट ने एक निजी चौनल को दिए इंटरव्यू में बताया कि फोगाट परिवार पर बनी आमिर खान की मूवी दंगल ने 2 हजार करोड़ की कमाई की थी, लेकिन फोगाट परिवार को सिर्फ 1 करोड़ रुपए मिले थे। बबीता की मानें तो इस फिल्म से वित्तीय तौर पर उन्हें कोई फायदा नहीं हुआ। बबीता का कहना है कि हमारे पापा महावीर फोगाट ने हमें एक चीज कही थी कि इन सब चीजों को छोड़ दो, लोगों का प्यार और सम्मान देखो। पूरी फिल्म सच्ची कहानी पर आधारित नहीं थी– बबीता बबीता फोगाट ने फिल्म की कहानी को लेकर कहा कि 90 फीसदी कहानी सही और 10 फीसदी कहानी फिल्म को इंटरेस्टिंग बनाने के लिए डाली गई। बबीता ने बताया कि हमारे में न्यूज पेपर में आर्टिकल छपा था, जिसे पढ़कर डायरेक्टर नीतेश तिवारी ने हमसे संपर्क किया था। उस समय उन्होंने डॉक्यूमेंट्री बनाने की बात कही थी।

कैफे में कृति सेनन ने पपराजी को दिए कमाल के पोज, कुछ ऐसा था एक्ट्रेस का लुक

कृति सेनन को एक कैफे के अंदर पपराजी ने कुछ इस लुक–बुक में कैप्चर किया, तस्वीरों में देखे...

साड़ी हो या गाउन या फिर बिकिनी, हर लुक में बवाल लगती हैं सनी लियोनी

सनी लियोनी अक्सर साड़ी, गाउन से लेकर बिकिनी में अपनी तस्वीरें फैंस के साथ शेयर करती नजर आती हैं और वो हर लुक में किसी बला से कम नहीं...

कभी टेनिस रैकेट टॉप तो कभी मैट्रेस स्कर्ट, उर्फी के ये लुक घुमा देंगे सिर

उर्फी जावेद का हर लुक काफी अलग और अजीब होता है जिसके लिए वो अक्सर ट्रोल होती रहती हैं, तो आइए आज आपको दिखाते हैं उर्फी के कुछ ऐसे...

किचन में काम करते वक्त समय की बचत करना और कार्य को सरल बनाना हमेशा प्राथमिकता होती है। कई लोग खाना बनाने में समय लगाते हैं, लेकिन कुछ स्मार्ट टिप्स अपनाकर आप अपने किचन का काम तेज और आसान बना सकते हैं। आइए, जानते हैं कुछ सरल लेकिन प्रभावी किचन हैक्स जो आपके काम को चुटकियों में पूरा कर देंगे।

दाल बनाने में आसानी

दाल बनाते समय अक्सर प्रेशर कुकर का ढक्कन खुलने से पानी बाहर निकलता है, जिससे गैस और स्लैब गंदे हो जाते हैं। इससे बचने के लिए, दाल को उबालते समय कुकर में एक स्टील की छोटी कटोरी डालें। इससे दाल उफनेगी नहीं और कुकर से केवल भाप ही बाहर आएगी।

लहसुन छीलने की ट्रिक

लहसुन छीलने में समय लगता है, लेकिन एक आसान तरीका है। लहसुन की कलियों को गर्म पानी में थोड़ी देर भिगोकर रखें। कुछ समय बाद, इन्हें छीलें और देखिए, ये आसानी से छिल जाएंगे। लहसुन के ऊपर का हिस्सा काटने से पूरा छिलका निकल जाएगा।

चटनी का रंग बरकरार रखें

जब हम एक साथ ज्यादा चटनी बनाते हैं, तो अक्सर अगले दिन उसका रंग बदल जाता है। इससे बचने के लिए, चटनी बनाते समय उसमें एक चम्मच दही डाल दें। इससे चटनी का रंग ताजगी के साथ बना रहेगा।

फूली हुई रोटियां

कई बार रोटियां फूली नहीं बनती। इसे सुधारने के लिए, पहले तवा अच्छी तरह गरम करें। चपाती डालें, हल्का सिकने पर पलटें और फिर दूसरी ओर से अच्छे से पकाएं। रोटी को कम पकी हुई साइड से गैस पर रख दें। इससे आपकी रोटी फूलेगी।

आटा गूंदने में समय की बचत

अगर आपके पास आटा गूंदने के लिए कम समय है, तो आप आटे को सिर्फ पानी से हल्का मिला कर थोड़ी देर के लिए रख दें। जब रोटी बनाने का समय आए, तो आटे को हल्का गूंद लें। इससे आपका आटा तुरंत तैयार हो जाएगा। इन सरल टिप्स को अपनाकर आप अपने किचन का काम और भी तेज और प्रभावी बना सकते हैं। ये न केवल आपके समय की बचत करेंगे, बल्कि आपके खाना पकाने के अनुभव को भी आसान बनाएंगे।

हर कपल के लिए हनीमून उनकी लाइफटाइम मेमोरी होती है। हनीमून एक ऐसा समय होता है जब आप अपने जीवनसाथी के साथ आराम से समय बिता सकते हैं, इसलिए इसके लिए सही तैयारी करना बेहद महत्वपूर्ण है। अकसर शादी की तैयारियों के बीच हनीमून की तैयारी करने का मौका ही नहीं मिल पाता, ऐसे में जरूरी है कि इसके लिए एडवांस ही बैग पैक कर लें। यहां कुछ जरूरी सामान के बारे में बताया गया है, जिन्हें आपको अपने हनीमून बैग में रखना नहीं भूलना चाहिए।

जरूरी दस्तावेज

– पासपोर्ट और वीजा (अगर आप विदेश यात्रा कर रहे हैं)।
– फ्लाइट टिकट्स और होटल बुकिंग की कॉपी।
–पहचान पत्र(आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस आदि)।
– हनीमून पैकेज के वाउचर, अगर आपने बुक किया है।
– ट्रैवल इंश्योरेंसकी कॉपी।
– इन दस्तावेजों को संभालने के लिए एक डॉक्यूमेंट होल्डर जरूर रखें।

कपड़े

– यात्रा के स्थान के मौसम के अनुसार कपड़े पैक करें। गर्म जगह जा रहे हैं तो हल्के और कूल कपड़े रखें, जबकि ठंडी जगह जा रहे हैं तो स्वेटर और जैकेट्स साथ रखें।
– दिन के समय आरामदायक कैजुअल कपड़े और डिनर या खास मौके के लिए कुछ फॉर्मल कपड़े भी रखें।
–आरामदायक और प्यारे नाइटवियर ले जाएं, जो हनीमून के माहौल को खास बनाए।
–पर्याप्त मात्रा में अंडरगार्मेंट्स और आरामदायक इनरवियर रखें।
–अगर आपका प्लान बीच या पूल के पास जाने का है, तो स्विमवियर पैक करना न भूलें।

–हल्के मौसम में जैकेट्स और ठंड के लिए मोटे जैकेट्स या स्टोल।

टॉयलेटरीज

– टूथब्रश और टूथपेस्ट
– फेसवॉश, बॉडी वॉश और शैंपू
– सनस्क्रीन और मॉइश्चराइजर
– परफ्यूम और डिओडरेंट
– हेयरब्रश और हेयर प्रोडक्ट्स (जैसे हेयर जेल या सीरम)
– लिप बाम और हैंड सैनिटाइजर

मेकअप और स्किनकेयर

– बेसिक मेकअप आइटम्स जैसे–कंसीलर, फाउंडेशन, आईलाइनर, मस्कारा और लिपस्टिक
– स्किन केयर के लिएक्लीनर, टोनर और मॉइश्चराइजर
– मेकअप रिमूवर और कॉटन पैड्स
– कुछ खास मौके के लिए एक अच्छा मेकअप पैलेट भी रखें।

फर्स्ट एड किट और दवाइयां

– कुछ आम दवाइयां जैसे सिरदर्द, बुखार, एसिडिटी, और पेट दर्द के लिए।
– अगर आप किसी खास दवा का सेवन करते हैं, तो उसे साथ जरूर रखें।
– एक छोटी फर्स्ट एड किट में बैंडेज, एंटीसेप्टिक क्रीम और दर्द निवारक दवाइयां भी रखें।

रिलैक्सेशन आइटम्स

– अगर आपको पढ़ने का शौक है, तो अपनी फेवरिट बुक साथ रखें।
– यात्रा के दौरान समय बिताने के लिए हेडफोन और प्ले लिस्ट भी तैयार रखें।
– कुछ आरामदायक पिलो या नेक पिलो लंबी यात्रा के दौरान काम आ सकते हैं।

सिक्योरिटी आइटम्स

– एक सिक्योरिटी लॉक अपने बैग्स के लिए जरूर रखें।
– अगर आप यात्रा के दौरान अपने पैसे और कार्ड को सुरक्षित रखना चाहते हैं, तो एक मनी बेल्ट या सिक्योरिटी बैग भी रखें।

त्वचा की रंगत को निखारने के लिए बेसन का प्रयोग किया जाता है। दाग–धब्बों से छुटकारा पाने के लिए बेसन का इस्तेमाल करते है। अगर आप भी रात भर चेहरे पर बेसन लगाते हैं तो जान लें यह सही है या गलत।

हर किचन में बेसन का प्रोयग खाने के लिए किया जाता है, लेकिन कई बार इसका इस्तेमाल ब्यूटी के लिए भी किया जाता है। स्किन के लिए बेहद फायदेमंद होता है बेसन। त्वचा को खूबसूरत बनाने के लिए बेसन का प्रयोग किया जाता है। कई कॉस्मेटिक कंपानियां अपने प्रोडक्ट में बेसन का प्रयोग करती है। स्किन के लिए बेसन बेहद फायदेमंद होता है। यदि आप रात भर में बेसन लगाते हैं , तो जान लें यह सही है या गलत।

रातभर बेसन लगाना कितना सही?

अगर आप भी चेहरे पर रंगत लाने के लिए बेसन लगाते हैं, तो जानें कितना सही है। यदि आप रात को बेसन लगाते हैं तो स्किन संबंधित कई समस्याएं दूर रहती है। त्वचा की रंगत में सुधार करता है। दाग–धब्बे को दूर करता है। इसके साथ ही मुंहासे के छुटकारा भी पाया जाता है। अगर आप भी रात भर बेसन लगाकर सोते हैं, तो जान लें कितनी ठीक है।

चेहरे पर रातभर बेसन लगाने के फायदे

– दरअसल, चेहरे पर रात भर बेसन लगाने से ऑयल कंट्रोल रहता है। बेसन लगाने से त्वचा से अतिरिक्त तेल निकल जाता है। इससे आपकी ऑयली स्किन से छुटकारा मिल जाता है।

– वहीं, यह कील–मुंहासे को दूर करता है। यदि आप भी चेहरे पर मौजूद एक्ने या मुंहासे से परेशान हैं तो बेसन लगाना सबसे बढ़िया होता है।

– चेहरे पर रातभर बेसन लगाकर रखने से त्वचा एक्सफोलिए होती है। बेसन डेड स्किन सेल्स को रिमूव करता है।

– यदि आप चेहरे पर रात को बेसन लगाते हैं तो इससे चेहरे का ग्लो बढ़ेगा। इससे त्वचा की रंगत बढ़ेगी। इसके साथ ही दाग–धब्बों से भी छुटकारा मिल सकता है।

कैसे लगाएं बेसन

– चेहरे पर बेसन लगाने के लिए 2–3 चम्मच बेसन लें।
– फिर पानी या गुलाब जल मिलाएं।
– आप इसमें चुटकी भर हल्दी भी मिला सकते हैं।
– फिर आप इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और बाद में चेहरे को अच्छे से धो लें।

मार्केट में कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट मिलते हैं, लेकिन इन प्रोडक्ट में तमाम तरह के केमिकल होते हैं। घरेलू नुस्खों से बनी चीजें न सिर्फ स्किन के लिए सुरक्षित होती हैं, बल्कि इनके इस्तेमाल से फेस पर भी नेचुरल ग्लो आता है।

अक्तूबर महीने में तमाम बड़े त्योहार पड़ते हैं। ऐसे में हर कोई पहले से ही इसकी तैयारी में जुट जाता है। फिर चाहे नवरात्रि हो, करवाचौथ हो या फिर दीवाली का त्योहार हो। सभी त्योहारों की अपनी रौनक होती है। त्योहारों पर लोग न सिर्फ घरों को ही नहीं सजाते हैं, बल्कि अपने लिए भी नए–नए कपड़े खरीदते हैं। जिससे कि वह अच्छे दिख सकें। त्योहारों के सीजन में हर कोई चाहते हैं कि उनकी त्वचा दमकती और खूबसूरती नजर आएं।

मार्केट में कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट मिलते हैं, लेकिन इन प्रोडक्ट में तमाम तरह के केमिकल होते हैं। ऐसे में आप घरेलू नुस्खों से बनी चीजें न सिर्फ स्किन के लिए सुरक्षित होती हैं, बल्कि इनके इस्तेमाल से फेस पर भी नेचुरल ग्लो आता है। ऐसे में अगर आप भी दमकती त्वचा पाना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ घरेलू मास्क के बारे में बताने जा रहे हैं। इन फेस मास्क का इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट जरूर कर लें। जिससे कि आपको किसी तरह का साइड इफेक्ट न हो।

हल्दी और बेसन फेस मास्क

हमारे घरों में बेसन और हल्दी मौजूद होती है। ऐसे में आप इन दोनों चीजों का इस्तेमाल कर आप फेस मास्क तैयार कर सकते हैं। इस फेस मास्क को तैयार करने के लिए आपको 1ध्4 चम्मच हल्दी, 1 चम्मच दही और 2 चम्मच बेसन की जरूरत पड़ेगी।

इन तीनों चीजों को मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। अब इसको अपने फेस पर 15–20 मिनट के लिए अप्लाई करें। जब यह पूरी तरह से सूख जाए, तो इसको हल्के हाथों स्क्रब करते हुए पानी से धो लें। इससे आपकी त्वचा दमकती हुई नजर आएगी। आप सप्ताह में दो बार इस फेस मास्क का इस्तेमाल कर सकती हैं।

नींबू और शहद फेस मास्क

अगर आपके घर में नींबू और शहद है, तो आप इससे भी फेस मास्क बनाकर तैयार कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले 1 चम्मच शहद में नींबू का रस मिक्स कर लें। फिर दोनों को फेस पर अप्लाई करें और करीब 15 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें।

नींबू के इस्तेमाल से टैनिंग हटती है और शहद से त्वचा में नमी आती है। जिससे आपका चेहरा चमकदार बनता है। बस इस दौरान ध्यान रखें कि नींबू हर किसी को सूट नहीं करता है। इसलिए एक बार इस फेस मास्क का पैच टेस्ट जरूर कर लें। जिससे कि आपको साइड इफेक्ट न हो।

एलोवेरा और गुलाबजल फेस मास्क

बहुत सारे लोगों के घरों में एलोवेरा का पौधा लगा होता है। ऐसे में आप एलोवेरा जेल के 2 चम्मच लेकर उसमें 1 चम्मच गुलाबजल मिक्स करें। अब इस पैक को फेस पर अप्लाई करें।

इस फेस पैक को 20 मिनट तक सूखने के लिए छोड़ दें और फिर ठंडे पानी से धो लें। यह फेस मास्क आपकी स्किन को हाइड्रेट करता है और स्किन का ग्लो बढ़ाता है। इस फेस पैक का इस्तेमाल आप सप्ताह में तीन बार कर सकते हैं।

संक्षिप्त

गूगल इंडिया का पिछले वित्त वर्ष में शुद्ध लाभ छह प्रतिशत बढ़कर 1,425 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली । प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल इंडिया का वित्त वर्ष 2023–24 में शुद्ध लाभ छह प्रतिशत बढ़कर 1,424.9 करोड़ रुपये हो गया जबकि वित्त वर्ष 2022–23 में इसने 1,342.5 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। कंपनियों के बारे में सूचनाएं मुहैया कराने वाली वेबसाइट टॉफलर ने शुक्रवार को एक दस्तावेज साझा कर यह जानकारी दी। इसके मुताबिक, गूगल इंडिया की पिछले वित्त वर्ष में कुल आमदनी 7,097.5 करोड़ रुपये रही। इसमें चालू परिचालन से राजस्व 5,921.1 करोड़ रुपये और बंद परिचालन से 1,176.4 करोड़ रुपये रहा है। वित्त वर्ष 2020–21 में गूगल इंडिया ने कंपनी के आईटी व्यवसाय उपक्रम को गूगल आईटी सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ अलग करने के लिए राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) में एक आवेदन दायर किया था। गूगल ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, "वित्त वर्ष 2023–2024 के दौरान, व्यवस्था की योजना को एनसीएलटी द्वारा 25 मई, 2023 के आदेश के तहत मंजूरी दी गई और वित्तीय विवरणों में योजना को 30 जून 2023 से प्रभावी किया गया।" व्यवस्था की योजना के अनुमोदन के बाद गूगल इंडिया के आईटी व्यवसाय उपक्रमों को एक अप्रैल, 2021 से गूगल आईटी सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को हस्तांतरित कर दिया गया।

जेएसडब्ल्यू–पोस्को ओडिशा के क्योंझर में अत्याधुनिक इस्पात संयंत्र लगाएंगीः मुख्यमंत्री, माझी

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि जेएसडब्ल्यू समूह और दक्षिण कोरियाई इस्पात कंपनी पोस्को का संयुक्त उद्यम उनके गृह जिले क्योंझर में एक अत्याधुनिक इस्पात संयंत्र स्थापित करेगा। जेएसडब्ल्यू–पोस्को संयुक्त उद्यम के संयंत्र के लिए स्थान के चुनाव को लेकर देश भर में चल रही अटकलों के बीच माझी ने यह जानकारी दी।

दिवाली मनाने के लिए क्योंझर की दो दिवसीय यात्रा पर पहुंचे माझी ने संवाददाताओं से कहा, आगामी मेक–इन ओडिशा सम्मेलन को लेकर दिल्ली और मुंबई में आयोजित हमारे कार्यक्रम के दौरान मैंने क्योंझर जिले में एक इस्पात संयंत्र की स्थापना के लिए जेएसडब्ल्यू और पोस्को दोनों के साथ चर्चा की थी। मुख्यमंत्री ने कहा, इस बीच, दोनों कंपनियों ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। वे इस काम को संयुक्त रूप से पूरा करेंगे। उन्होंने क्योंझर जिले में भी ऐसा करने की बात कही है। इसकी प्रक्रिया जारी है और ओडिशा को एक और इस्पात संयंत्र मिलेगा। दोनों इस्पात निर्माता कंपनियों ने 29 अक्टूबर को मुंबई में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। इस साझेदारी के तहत भारत में 50 लाख टन प्रति वर्ष की प्रारंभिक क्षमता के साथ एक एकीकृत इस्पात संयंत्र लगाया जाएगा।

दिल्ली में त्योहारी सीजन में वाहनों की बिक्री ने बनाया नया रिकॉर्ड

इस त्योहारी सीजन में वाहनों की बिक्री ने नया रिकॉर्ड

बनाया है और दिवाली से पहले दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग में 86,000 से अधिक नए वाहन पंजीकृत हुए हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पिछले महीने 30 अक्टूबर तक परिवहन विभाग में 86,000 से अधिक नए वाहन पंजीकृत किए गए, जिससे मोटर वाहन कर के रूप में 366 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। इस त्योहारी सीजन में हालांकि, स्कूटर और मोटरसाइकिल की बिक्री में पहले की तुलना में कमी आई लेकिन चार पहिया वाहनों की बिक्री बढ़ी है। बृहस्पतिवार को दिवाली से पहले तक अक्टूबर में कार और एसयूवी सहित बेचे गए हल्के मोटर वाहनों की संख्या 22,000 से अधिक रही। शेष लगभग 56,000 वाहन दोपहिया हैं। अधिकारियों ने बताया कि 2023 में नवंबर के त्योहारी महीने में 80,854 नए वाहनों का पंजीकरण हुआ था, जिनमें 57,000 से अधिक दोपहिया वाहन और 18,635 कार शामिल थीं।

एशियन पेंट्स से जुड़ी कंपनी का रिकॉर्ड, एक दिन में ही 10 हजार का निवेश 67 करोड़ में बदला, ये है कारण

नई दिल्ली। कुछ दिन पहले, शेयर बाजार में कुछ असाधारण हुआ। ठैम् पर सूचीबद्ध छठथ्ब (गैर–बैंकिंग वित्त कंपनी) एल्सिड इन्वेस्टमेंट के शेयरों की कीमत में लगभग 67,00,000: की उछाल आई और तीन रुपये 53 पैसे का शेयर देश के सबसे महंगे शेयर एमआरएफ को पछाड़कर 2,36,250 रुपये के भाव पर पहुंच गया। खैर, यह कोई जादू नहीं था। यह वास्तव में बाजार नियामक सेबी (भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड) की नई षविशेष कॉल नीलामीष प्रणाली की बदौलत संभव हुआ। अगर आप अब भी नहीं समझे तो चलिए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। कुछ महीने पहले, सेबी ने कुछ अजीब बात देखी। कई निवेश कंपनियां (प्ब) और निवेश होल्डिंग कंपनियां (प्भ्ब) उस कीमत पर कारोबार नहीं कर रही थीं, जिसके वे हकदार थे। जिन्हें नहीं पता, उनके लिए बता दें कि निवेश कंपनियां मुख्य रूप से स्टॉक, म्यूचुअल फंड और डिबेंचर में निवेश करती हैं, जबकि प्भ्ब अन्य कंपनियों में हिस्सेदारी रखती हैं। इन कंपनियों का अपना कोई संचालन नहीं होता या वे खुद कुछ भी नहीं बनातीं। इसके बजाय उनका मुख्य काम सिर्फ अपने निवेश का प्रबंधन करना और लाभांश और रिटर्न के जरिए पैसे कमाना होता है। लेकिन, इन कंपनियों के पास वास्तविक व्यावसायिक गतिविधि नहीं है, इसलिए इनमें आम तौर पर निवेशकों की बहुत ज्यादा दिलचस्पी नहीं होती। अंतिम परिणाम यह होता है कि उनके शेयर अक्सर उनके बुक वैल्यू (देयता घटाने के बाद उनकी संपत्तियों का कुल मूल्य) से काफी नीचे कारोबार करते हैं।

सेबी की एक प्रक्रिया के कारण शेयर की कीमतों में आया बड़ा बदलाव

इसलिए, लिक्विडिटी को बेहतर बनाने, निवेशकों को उचित मूल्य खोजने में मदद करने और आम तौर पर इन शेयरों में अधिक रुचि पैदा करने के लिए, सेबी एक विशेष कॉल नीलामी का एलान किया। यह प्रणाली उन शेयरों के लिए ट्रेडिंग को बढ़ावा देने में मदद करती है जिनमें बहुत अधिक गतिविधि नहीं होती है, जबकि कीमतें स्थिर रहती हैं। कॉल नीलामी में, स्टॉक एक्सचेंज एक विशिष्ट दिन पर एक विशेष ट्रेडिंग विंडो सेट करता है। इस समय के दौरान, निवेशक बिना किसी मूल्य सीमा के खरीद या बिक्री के ऑर्डर कर सकते हैं, जिसका अर्थ है कि बिनी किसी ऊपरी या निचले सर्किट के बिना कारोबार संभव होता है, इसलिए कीमतें उतनी ही अधिक या कम हो सकती हैं जितनी निवेशक भुगतान करने को तैयार हो।

क्या सभी कंपनियों को मिलता है यह मौका?

नहीं, सभी IC और IHC स्टॉक इस नीलामी के लिए योग्य नहीं होते। इस नीलामी में शामिल होने की कुछ शर्तें हैं। यह योग्यता हासिल करने के लिए कंपनी को कम से कम एक साल के लिए एक्सचेंज पर सूचीबद्ध होना चाहिए और उस दौरान उसे ट्रेडिंग से कभी निलंबित नहीं किया जाना चाहिए। उन्हें अपनी परिसंपत्तियों का कम से कम 50: अन्य सूचीबद्ध कंपनियों में निवेश करना होता है। साथ ही, स्टॉक का वॉल्यूम वेटेड एवरेज प्राइस (टॅ।च), जो मूल रूप से एक स्टॉक का औसत मूल्य होता है और इस बात पर आधारित है कि एक निश्चित अवधि में इसका कितना कारोबार हुआ, इस मामले में, छह महीने– प्रति शेयर इसकी बुक वैल्यू के 50: से कम होना चाहिए। एल्सिड इन्वेस्टमेंट ने इन सभी कसौटियों पर खरा उतरा। 93: संपत्ति अन्य सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों में निवेश करने वाली एक आईसी होने के नाते और शेयर की कीमत प्रति शेयर अपने बुक वैल्यू से 1,65,00,000: कम होने के कारण, यह सेबी की विशेष कॉल नीलामी के लिए योग्य बन गई थी। इसके बाद एल्सिड इन्वेस्टमेंट में किया गया 1 लाख का निवेश ध्670 करोड़ से अधिक का हो गया। जो बाजार के लिहाज से आश्चर्यजनक है।

लेकिन रुकिए... क्या एल्सिड इन्वेस्टमेंट्स का स्टॉक वास्तव में अपनी वर्तमान कीमत का हकदार है?

ऐसे कई तरीके हैं जिनसे आप एल्सिड जैसी आईसी का मूल्यांकन कर सकते हैं। एक सामान्य विधि बुक वैल्यू विधि है। मूल रूप से, आप कंपनी की शुद्ध परिसंपत्तियों के मूल्य की गणना करते हैं और फिर उसे बाजार में उपलब्ध कुल शेयरों की संख्या से विभाजित करते हैं। यदि आप एल्सिड इन्वेस्टमेंट के लिए ऐसा करते हैं, तो आप पाएंगे कि इस कंपनी के स्टॉक का वास्तव मूल्य 5.8 लाख प्रति शेयर होना चाहिए। इसका मतलब है कि, इसकी वर्तमान कीमत पर भी जितनी इसकी कीमत होनी चाहिए उससे 125प्रतिशत कम है।

निवेश से पहले यह पक्ष भी जानना जरूरी

लेकिन इससे पहले कि आप उत्साहित हो जाएं और स्टॉक पर अपना पैसा दांव पर लगा दें, एक और पक्ष भी जानना जरूरी है। देखिए, एल्सिड जैसी निवेश कंपनियों में लिक्विडिटी बहुत कम होती है, जिसका मतलब है कि वहां बहुत ज्यादा खरीदार या विक्रेता नहीं होते। कंपनी में असल में केवल 328 सार्वजनिक शेयरधारक हैं जो एल्सिड इन्वेस्टमेंट के मालिक हैं। इकोनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार ष्यह एक विशेष क्लब हैष जिससे लिक्विडिटी के बेहतर होने की उम्मीद कम है। अब ऐसा क्यों है? इसे समझने के लिए, हमें पीछे जाकर उन अन्य तरीकों को देखना होगा जिनसे एल्सिड इन्वेस्टमेंट जैसी कंपनियों का मूल्यांकन किया जाता है। जैसे कि लाभांश छूट मॉडल, जो भविष्य के लाभांश के आधार पर किसी शेयर के वर्तमान मूल्य की गणना करता है। अब, एल्सिड ने पिछले दो दशकों में ध्10 से ध्25 के बीच लाभांश का भुगतान किया है, जो सुनने में बहुत अच्छा लग सकता है क्योंकि यह उसके पिछले शेयर मूल्य का 100: से अधिक है। लेकिन जब आप गहराई से खोजते हैं, तो यह उतना आकर्षक नहीं लगता। एल्सिड एशियन पेंट्स और पेटीएम जैसी कंपनियों में निवेश से लगभग ध्110 करोड़ कमाता है और अगर उस लाभ को सभी शेयरधारकों के साथ साझा किया जाता, तो यह लगभग ध्5,500 प्रति शेयर होता है।

सरफराज खान को नंबर 8 पर भेजने पर भड़के फैंस, टीम मैनेजमेंट को बताया गलत

पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर और क्रिकेट फैंस ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट की पहली पारी में सरफराज खान को नंबर 8 पर बल्लेबाजी कराने के भारत के फैसले की आलोचना की। टेस्ट मैच के दूसरे दिन रविंद्र जडेजा के बाद 8वें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए सरफराज डक आउट हो गए।

न्यूजीलैंड के खिलाफ एक बार फिर भारतीय बल्लेबाजों की कमियां उजागर हुई हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर और क्रिकेट फैंस ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट की पहली पारी में सरफराज खान को नंबर 8 पर बल्लेबाजी कराने के भारत के फैसले की आलोचना की। टेस्ट मैच के दूसरे दिन रविंद्र जडेजा के बाद 8वें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए सरफराज डक आउट हो गए। सरफराज खान को बल्लेबाजी क्रम में इसलिए पीछे रखा गया क्योंकि भारत ने पहले दिन अंतिम सत्र में नाइटवॉचमैन के रूप में सिराज को भेजा था। शुभमन गिल और ऋषभ पंत के बीच 96 रनों की साझेदारी के बाद मुंबई के इस बल्लेबाज के नंबर 7 पर आने की उम्मीद थी, लेकिन भारत ने दाएं–बाएं संयोजन को बनाए रखने के लिए रविंद्र जडेजा को भेजा। पहली पारी में सरफराज खान केवल चार गेंदों पर ही खेल पाए और एजाज पटेल की गेंद पर आउट हो गए। ये गेंद पिच पर गिरने के बाद तेजी से उछली और घूम गई। संजय मांजरेकर ने सोशल मीडिया पर सवाल उठाया कि भारत ने सरफराज को क्यों रोका, जो शानदार फॉर्म में हैं। मुंबई के इस युवा बल्लेबाज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु में पहले टेस्ट में दूसरी पारी में शानदार पारी खेलते हुए 150 रन बनाए थे।

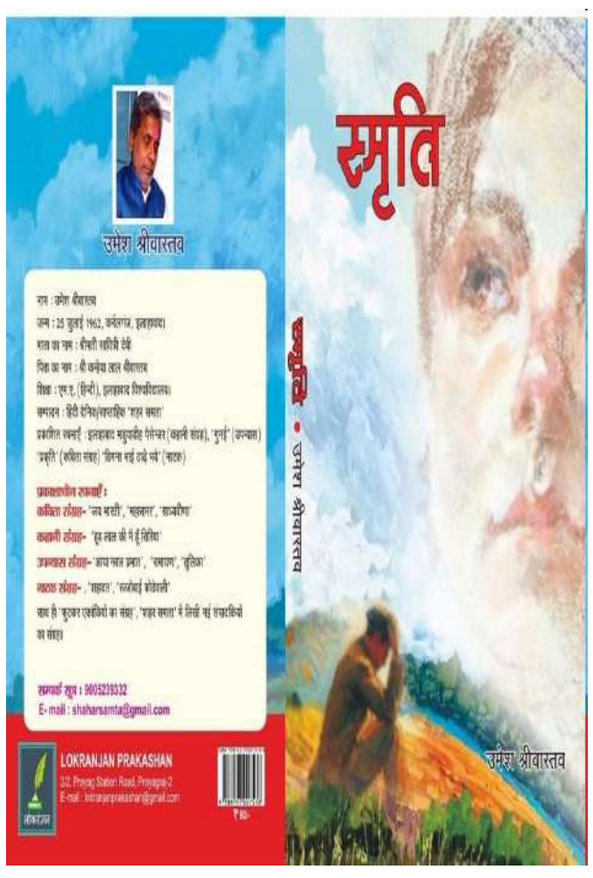

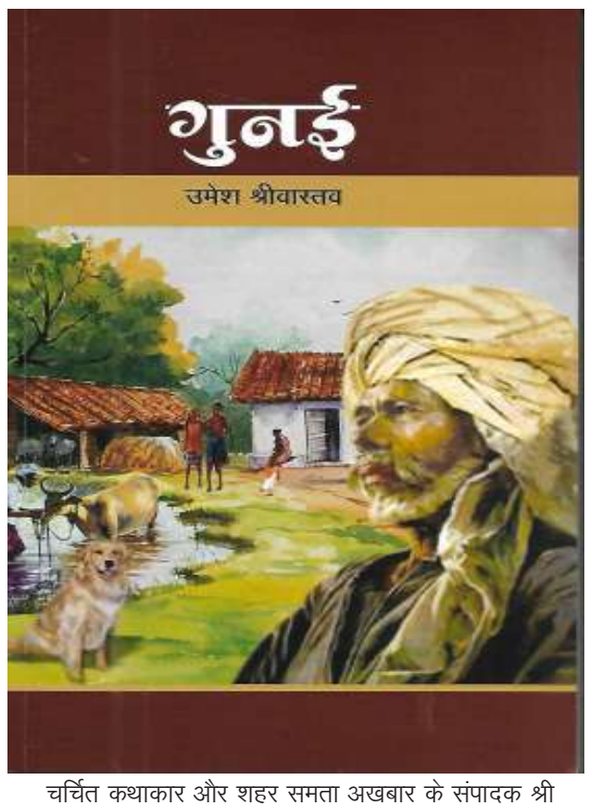

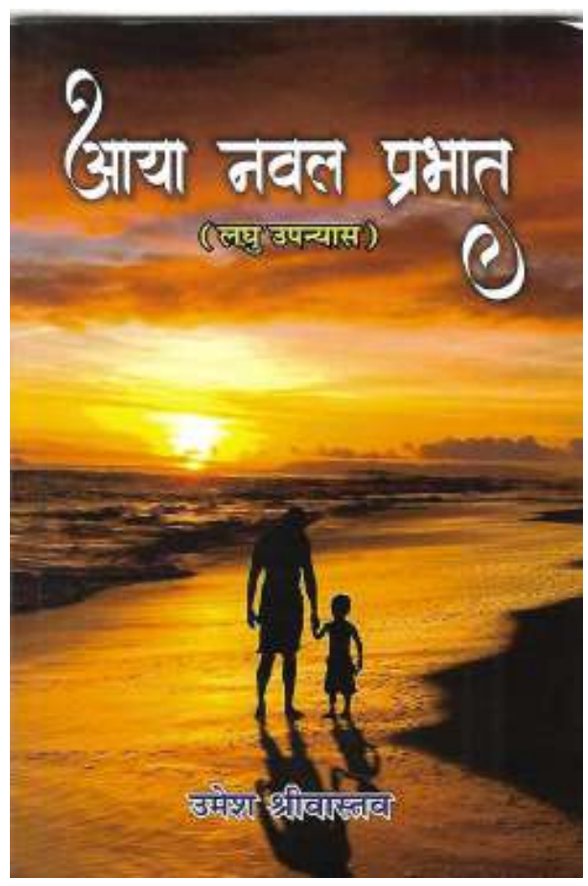

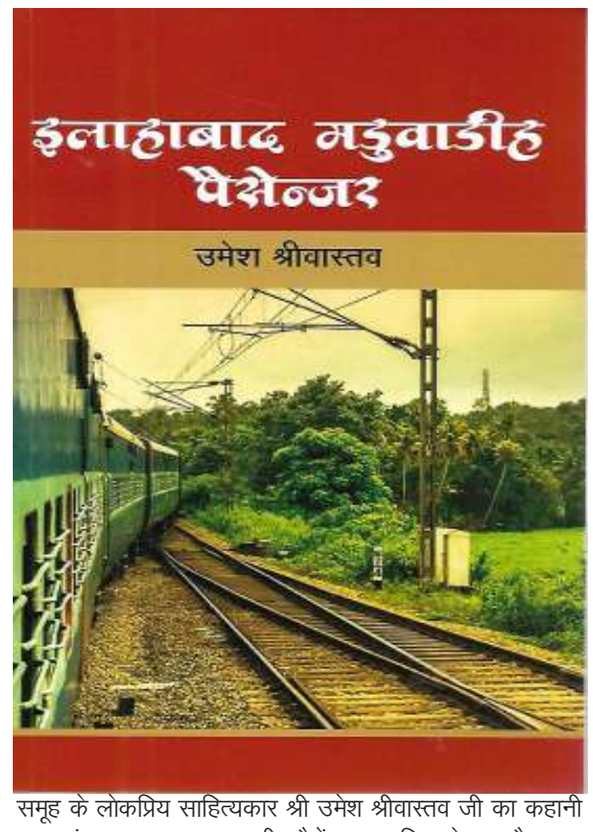

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

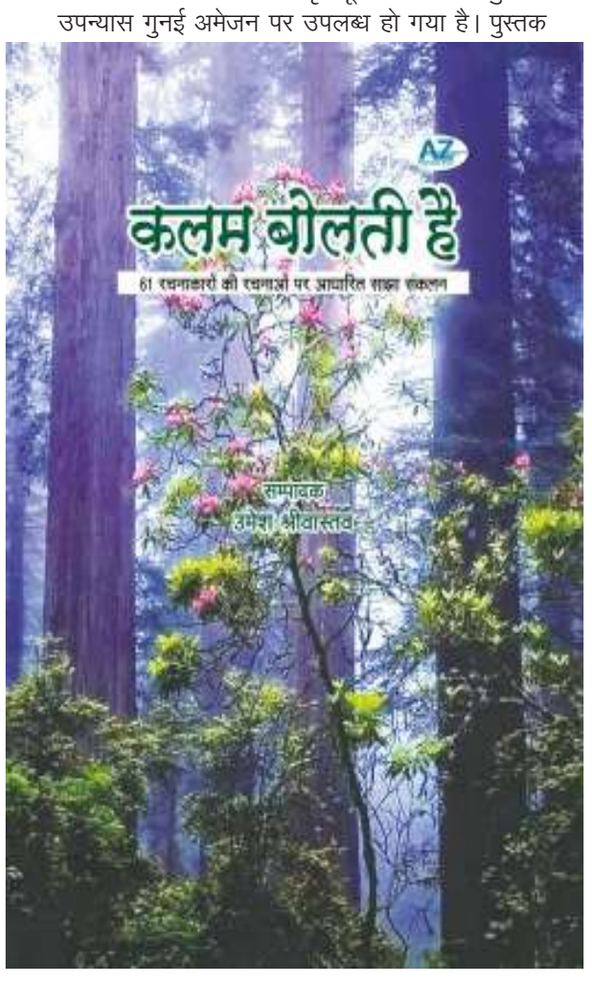

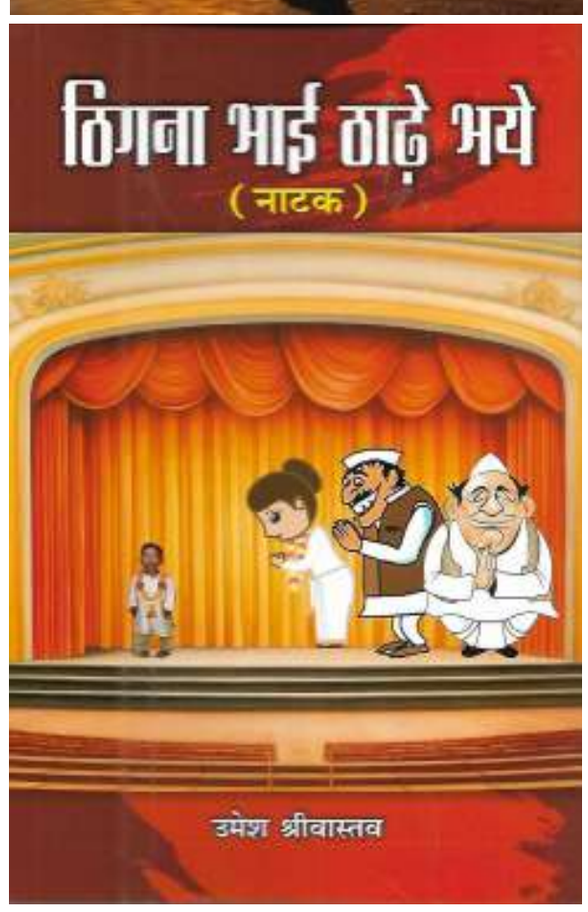

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

यूएस में राष्ट्रपति ने ट्रंप समर्थकों को कहा `कचरा'? व्हाइट हाउस ने ट्रांसक्रिप्ट में जो बाइडेन की टिप्पणी को बदला : रिपोर्ट में किया गया दावा

व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की आधिकारिक ट्रांसक्रिप्ट को संशोधित किया, जिसमें वे पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के समर्थकों को ''कचरा'' कहकर उन पर कटाक्ष करते दिखाई दिए, जिसके कारण बाइडेन की टिप्पणियों को दस्तावेज करने वाले कार्यालय ने उन्हें फटकार लगाई, एसोसिएटेड प्रेस ने रिपोर्ट की। बाइडेन ने मंगलवार को लैटिनो कार्यकर्ताओं के साथ एक कॉल के दौरान तब आलोचनाओं को जन्म दिया जब उन्होंने कॉमेडियन टोनी हिंचक्लिफ द्वारा न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में ट्रम्प की रैली में प्यूर्टो रिको की तुलना ''कचरे के तैरते द्वीप'' से करने वाले एक भद्दे मजाक पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। आधिकारिक व्हाइट हाउस स्टेनोग्राफरों द्वारा तैयार की गई ट्रांसक्रिप्ट के अनुसार बाइडेन ने कहा, वहां केवल उनके समर्थक ही कचरा तैरता हुआ देख रहे हैं। लैटिनो को शैतान बताना अनुचित और गैर–अमेरिकी है। जैसे ही बाइडेन की टिप्पणियों के वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुए, व्हाइट हाउस ने एक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि राष्ट्रपति की बात को गलत तरीके से समझा जा रहा है और वे ट्रम्प की रैली में हिंचक्लिफ़ की नस्लवादी टिप्पणी का उल्लेख कर रहे थे और उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति की रैली को कचरा नहीं कहा। व्हाइट हाउस ने टिप्पणी की पूरी प्रतिलिपि भी प्रदान की, जिसमें एक छोटा लेकिन महत्वपूर्ण संपादन किया गया, जिसमें समर्थकोंष्को ष्समर्थकोंष में बदलने के लिए एक एपोस्ट्रोफ़ जोड़ा गया। परिवर्तन से पता चलता है कि बिडेन एक समर्थक, विशेष रूप से उस कॉमेडियन का उल्लेख कर रहे थे जिसने अपमानजनक टिप्पणी की थी, न कि सामान्य रूप से ट्रम्प समर्थकों का। यह परिवर्तन प्रेस कार्यालय द्वारा राष्ट्रपति के साथ विचार–विमर्श के बाद किया गया था, स्टेनोग्राफर के कार्यालय के प्रमुख से एक आंतरिक ईमेल में लिखा गया था। व्हाइट हाउस स्टेनोग्राफी कार्यालय द्वारा उठाई गई आपत्तियों और चिंताओं के बावजूद यह संशोधन किया गया था। ईमेल के अनुसार, प्रेस कार्यालय ने स्टेनोग्राफरों से बिडेन की लैटिनो कार्यकर्ताओं के साथ

कॉल की प्रतिलिपि जल्दी से तैयार करने के लिए कहा था, एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार। उस दिन ड्यूटी पर मौजूद दो लोगों की स्टेनोग्राफी टीम, जिसमें एक टाइपर और एक प्रूफर शामिल थे, ने कहा कि ट्रांसक्रिप्ट में किसी भी तरह के संपादन को उनके पर्यवेक्षक, स्टेनोग्राफर के कार्यालय के प्रमुख द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए। स्टेनोग्राफर का कार्यालय राष्ट्रीय अभिलेखागार द्वारा संरक्षण और जनता को वितरित करने के लिए राष्ट्रपति की सार्वजनिक और निजी टिप्पणियों की ट्रांसक्रिप्ट तैयार करने के लिए जिम्मेदार है।पर्यवेक्षक कॉल की समीक्षा करने के लिए उपलब्ध नहीं था, लेकिन प्रेस कार्यालय ने आगे बढ़कर व्हाइट हाउस की वेबसाइट पर संशोधित ट्रांसक्रिप्ट प्रकाशित किया और इसे प्रेस और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वितरित किया। एक ईमेल में, स्टेनोग्राफी कार्यालय की निदेशक एमी सैंड्स ने कहा कि व्हाइट हाउस प्रेस कार्यालय ने उनकी स्वीकृति के बिना ट्रांसक्रिप्ट को संपादित और जारी करके मानक प्रोटोकॉल को दरकिनार कर दिया। सैंड्स ने लिखा कि प्रेस कार्यालय ने रात 9.10 बजे ट्रांसक्रिप्ट में बदलाव का अनुरोध किया, लेकिन प्रेस कार्यालय ने उनकी पुष्टि के बिना रात 10.09 बजे संपादित संस्करण जारी कर दिया, इसे ष्प्रोटोकॉल का उल्लंघन और ट्रांसक्रिप्ट की अखंडता को नुकसान पहुँचानाष बताया। सैंड्स ने स्पष्ट किया कि प्रेस कार्यालय परिवर्तन का अनुरोध कर सकता है, लेकिन ऐसे सभी अनुरोधों को ट्रांसक्रिप्ट की अखंडता सुनिश्चित करने के लिए स्टेनोग्राफी कार्यालय से अंतिम स्वीकृति लेनी होगी। मूल ट्रांसक्रिप्ट, जिसमें उनके समर्थक वाक्यांश शामिल थे, को राष्ट्रीय अभिलेखागार और अन्य वितरण चौनलों को जारी किया गया था, लेकिन संपादित संस्करण ही सार्वजनिक किया गया था। इस विवाद ने रिपब्लिकन सांसदों, जिनमें एलिस स्टेफनिक और जेम्स कॉमर शामिल हैं, की तीखी आलोचना की है, जिन्होंने व्हाइट हाउस पर 1978 के राष्ट्रपति रिकॉर्ड अधिनियम का संभावित उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। उन्होंने तर्क दिया कि व्हाइट हाउस के कर्मचारी ष्अमेरिका के राष्ट्रपति के शब्दों को राजनीतिक रूप से अधिक संदेश पर फिर से नहीं लिख सकतेष। इस विवाद की आग को बुझाने के प्रयास में, बाइडेन ने अपनी टिप्पणी को स्पष्ट करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया और कॉमेडियन हिंचक्लिफ को ष्ट्रम्प का समर्थकष बताया। उन्होंने मंगलवार को ट्वीट किया, ष्आज सुबह मैंने ट्रम्प के समर्थक द्वारा मैडिसन स्क्वायर गार्डन रैली में प्यूर्टो रिको के बारे में की गई घृणित बयानबाजी को कचरा कहा था – जो कि इसे वर्णित करने के लिए मेरे दिमाग में आने वाला एकमात्र शब्द है। लैटिनो को शैतान बताना उनके लिए अविवेकपूर्ण है। मैं बस इतना ही कहना चाहता था। उस रैली में की गई टिप्पणियाँ यह नहीं दर्शाती हैं कि हम एक राष्ट्र के रूप में कौन हैं।ष व्हाइट हाउस के डिप्टी प्रेस सचिव एंड्रयू बेट्स ने भी बाइडेन की व्याख्या का समर्थन करते हुए एक बयान जारी किया, जिसमें सुझाव दिया गया कि प्रतिलेख की सटीकता सुनिश्चित करने के लिए एपोस्ट्रोफ को जोड़ना आवश्यक था। प्रतिलेख के संशोधन पर टिप्पणी करने के लिए कहे जाने पर, बेट्स ने कहा, राष्ट्रपति ने मंगलवार शाम को अपने ट्वीट में पुष्टि की कि वह ट्रम्प की मैडिसन स्क्वायर गार्डन रैली में कॉमेडियन द्वारा की गई घृणित बयानबाजी को संबोधित कर रहे थे। यह प्रतिलेख में परिलक्षित होता है। बाइडेन की कचरा टिप्पणी पर विवाद तब और बढ़ गया जब ट्रम्प ने बुधवार को विवाद की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए विस्कॉन्सिन में कचरा ट्रक में सवार होकर नारंगी रंग की सुरक्षा बनियान पहनी। उन्होंने उसी सुरक्षा जैकेट में एक रैली को भी संबोधित किया तथा उनके कुछ समर्थकों ने भी उसी तरह की जैकेट पहनी थी।

दिवाली याद दिलाती है कि दक्षिण एशियाई मूल के अमेरिकियों ने देश को समृद्ध बनाया है: ब्लिंकन

वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि दिवाली यह याद दिलाती है कि दक्षिण एशियाई मूल के अमेरिकियों ने अमेरिका को किस तरह समृद्ध बनाया है। ब्लिंकन ने दिवाली के मौके पर अमेरिकी विदेश मंत्रालय में आयोजित कार्यक्रम में राजनयिक समुदाय और भारतीय–अमेरिकियों के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि दिवाली मूलतः इस विचार पर आधारित है कि प्रकाश की अंधकार पर जीत होती है, अज्ञानता पर करुणा और जिज्ञासा की जीत होती है तथा प्रत्येक

व्यक्ति का यह दायित्व है कि वह एक–दूसरे की देखभाल करें। उन्होंने कहा, ''दिवाली यह भी याद दिलाती है कि दक्षिण एशियाई संस्कृति और दक्षिण एशियाई मूल के अमेरिकियों ने किस प्रकार हमारे राष्ट्र को समृद्ध बनाया है। अमेरिका को इस विविधता से बहुत ताकत मिलती है। इन (दक्षिण एशियाई) लोगों में उल्लेखनीय लोक सेवक भी शामिल हैं, जिनमें अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा और हमारे अपने उप विदेश मंत्री रिच वर्मा हैं।'' ब्लिंकन ने बताया कि दस साल पहले तत्कालीन विदेश मंत्री जॉन केरी ने विदेश मंत्रालय में दिवाली के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया था और तब से हर साल इसका आयोजन किया जाता है और यह एक सम्मानित परंपरा बन गई है। ब्लिंकन ने कहा, ''इस साल पूरी दुनिया में एक अरब से अधिक हिंदू, बौद्ध, जैन और सिख लोग दिवाली मना रहे हैं। घरों को रंगोली से सजा रहे हैं, फूलों की माला लटका रहे हैं, दीये जला रहे हैं।

इजराइल द्वारा पूर्वोत्तर लेबनान के गांवों पर किए गए हमले में अब तक 45 लोगों की मौत

इजराइल द्वारा लेबनान के पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थित गांवों पर किए गए हवाई हमलों में अब तक कम से कम 45 लोगों की मौत हो गई है। लेबनान के अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बालबेक के गवर्नर बशीर खोदर ने बताया कि लेबनान के पूर्वोत्तर हिस्से के नौ गांवों पर किए गए हवाई हमलों में मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 41 हो गई है। यह लेबनान की 'नेशनल न्यूज एजेंसी' (एनएनए) द्वारा पहले बताई गई मृतक संख्या से 17 अधिक है। लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी 'एनएनए' ने बताया कि ओलाक के छोटे से गांव में किए गए इजराइली हवाई हमले में चार लोग मारे गए हैं। इस गांव में चरमपंथी संगठन हिजबुल्ला को काफी समर्थन प्राप्त है। इजराइल ने हिजबुल्ला के ठिकानों को निशाना बनाकर हाल में लेबनान के दक्षिणी उपनगर दहिए में हवाई हमले किए थे, हालांकि यहां हुए हमले में अभी तक किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं मिली है। बालबेक–हर्मेल क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले लेबनानी सांसद हुसैन हज हसन ने कहा कि इजराइली बमबारी के कारण करीब60,000 लोग पहले ही अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जा चुके हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

. 919450482227

नाइजीरिया में बढ़ती महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए 29 किशोरों को मिल सकती है मौत की सजा

अबुजा। नाइजीरिया में बेतहाशा बढ़ती महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल होने के लिए 29 नाबालिग किशोरों को आरोपी बनाया गया और इस मामले में दोषी पाए जाने पर उन्हें मौत की सजा दी जा सकती है। अदालत में अपनी दलील रखने से पहले उनमें से चार किशोर थकावट के कारण बेहोश होकर गिर गए थे। समाचार एजेंसी 'एसोसिएटेड प्रेस' द्वारा देखे गए आरोप पत्र के अनुसार, नाइजीरिया में बेतहाशा बढ़ती महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए कुल 76 प्रदर्शनकारियों पर 10 संगीन आरोप लगाए गए, जिनमें राजद्रोह, संपत्ति को नष्ट करना, उपद्रव मचाना और विद्रोह करना शामिल हैं। आरोप

पत्र के अनुसार, नाबालिगों की उम्र 14 से 17 वर्ष के बीच है। नाइजीरिया में जीवन जीने की लागत बढ़ने के कारण हाल के महीनों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए हैं। युवाओं के लिए बेहतर अवसरों और नौकरियों की मांग को लेकर अगस्त में हुए प्रदर्शन के दौरान कम से कम 20 लोगों को गोली मार दी गई थी जिससे उनकी मौत हो गई थी और सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया था। नाइजीरिया में मृत्युदंड की सजा 1970 के दशक में शुरू की गई थी, लेकिन 2016 के बाद से देश में किसी को भी मौत की सजा नहीं दी गई। अबुजा के एक निजी वकील अकिंतयो बालोगन ने कहा कि बाल अधिकार अधिनियम के तहत किसी भी नाबालिग के खिलाफ अपराधिक कार्यवाही नहीं की जा सकती और न ही उसे मौत की सजा दी जा सकती है। बालोगन ने कहा, ''इसलिए नाबालिगों को संघीय उच्च न्यायालय के समक्ष पेश करना ही गलत है।'' प्रदर्शन में शामिल कुछ किशोरों की पैरवी करने वाले वकील मार्शल अबूबकर ने बताया कि अदालत ने अंततः प्रत्येक प्रतिवादी को जमानत दे दी तथा उन पर कठोर शर्तें लगाई हैं। अबूबकर ने कहा, ''एक ऐसा देश जिसका कर्तव्य अपने बच्चों को शिक्षित करना है, वह इन बच्चों को दंडित करने का फैसला करेगा। ये बच्चे 90 दिनों से बिना भोजन के हिरासत में हैं।

पूर्व राष्ट्रपति के विशेषाधिकार पर श्रीलंका में सियासी घमासान, एम राजपक्षे की सुरक्षा घटाने का खंडन

कोलंबो। श्रीलंका में अनुरा कुमारा दिसानायके के राष्ट्रपति बनने के बाद उनके सामने कई चुनौतियां हैं। चंद हफ्ते पहले राष्ट्रपति का पदभार संभालने के बाद दिसानायके अजीबो–गरीब सियासी घमासान से जूझ रहे हैं। दरअसल, देश के पूर्व राष्ट्रपतियों को मिलने वाले विशेषाधिकार को लेकर विवाद हो रहा है। कथित तौर पर पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे की सुरक्षा में भी कटौती की गई है। इस मुद्दे पर दिसानायके की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि पूर्व राष्ट्रपति की सुरक्षा में कोई कटौती नहीं की गई है। इस संबंध में प्रसारित हो रहीं तमाम मीडिया रिपोर्ट्स झूठी और भ्रामक हैं।

पूर्व राष्ट्रपतियों ने दिसानायके के कार्यकाल में 'फैसलों' पर चिंता जताई

शुक्रवार को (श्रीलंका के समय) जारी बयान के मुताबिक राष्ट्रपति सचिवालय की तरफ से यह बयान उस समय जारी किया गया जब पूर्व राष्ट्रपतियों ने दिसानायके के कार्यकाल में होने वाले संभावित फैसले को लेकर चिंता जताई। खबरों के मुताबिक राष्ट्रपति दिसानायके के नेतृत्व में नई श्रीलंकाई सरकार पूर्व राष्ट्रपतियों के विशेषाधिकारों में कटौती करेगी। इस संबंध में आई खबरों के मुताबिक श्रीलंका की नई कैबिनेट से जुड़ी एक उप–समिति जल्द ही देश के पूर्व राष्ट्रपतियों को दिए गए विशेषाधिकारों की समीक्षा करेगी। राष्ट्रपति सचिवालय की तरफ से जारी बयान के मुताबिक दिसानायके के नेतृत्व में सरकार इस मामले पर भविष्य की कार्रवाई समिति की तरफ से की गई सिफारिशों के आधार पर ही करेगी। बता दें कि बीते 21 सितंबर को श्रीलंकाई राष्ट्रपति बनने पर दिसानायके ने पूर्व राष्ट्रपतियों के सभी विशेषाधिकारों को रोकने का संकल्प लिया था। उन्होंने कहा था पूर्व राष्ट्रपतियों को मिलने वाली सुविधाएं और विशेषाधिकार देश के करदाताओं पर बोझ हैं।

पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने की आलोचना

विपक्षी राजनीतिक दलों ने राष्ट्रपति दिसानायके को आड़े हाथों लिया है। महिंदा राजपक्षे की सुरक्षा में किसी भी तरह की चूक के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए विपक्ष ने कहा, दशकों पुराने सैन्य अभियान को समाप्त करने के कारण लिट्टे अलगाववादियों से राजपक्षे को अब भी खतरा बना हुआ है। पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने भी एक चुनावी रैली में पूर्व राष्ट्रपतियों के विशेषाधिकारों में कटौती करने के वर्तमान सरकार के प्रयास की आलोचना की। बता दें कि श्रीलंका में पूर्व राष्ट्रपति या उनकी विधवाओं को 1986 के राष्ट्रपति विशेषाधिकार अधिनियम के तहत विशेषाधिकार प्रदान किए गए हैं। फिलहाल, सुविधा पाने वाली ऐसी छह हस्तियां जीवित हैं।

कमला हैरिस का तीखा हमला, कहा– ट्रंप अमेरिकी जनता को एक–दूसरे के खिलाफ खड़ा कर रहे

वॉशिंगटन। डेमोक्रेट और रिपब्लिकन खेमा अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में एक दूसरे पर निशाना साधने का कोई मौका गंवाना नहीं चाहता। मतदान में केवल तीन दिन बाकी हैं। छह करोड़ से अधिक लोग अर्ली वोटिंग के अधिकार का इस्तेमाल कर अपना वोट डाल चुके हैं। पांच नवंबर को होने वाले मतदान से पहले भारतवंशी प्रत्याशी कमला हैरिस ने कहा है कि उनके प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी जनता को एक दूसरे के खिलाफ खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं। कमला हैरिस ने इस बात पर भी जोर दिया कि भले ही ट्रंप पूर्व राष्ट्रपति रह चुके हैं, लेकिन अमेरिका उनसे बेहतर प्रशासक का हकदार है। कमला हैरिस ने शुक्रवार (अमेरिकी समयानुसार) को कहा कि राष्ट्रपति बनने के बाद वे जटिल मुद्दों पर सामान्य ज्ञान पर आधारित समाधान की प्रक्रिया अपनाने पर जोर देंगी। उन्होंने कहा कि उनकी नीतियां अमेरिका के सभी नागरिकों के लिए होंगी, न कि किसी खास वर्ग को संतुष्ट करने वाली। बकौल कमला हैरिस, ट्रंप जो पेशकश कर रहे हैं, अमेरिका इससे बेहतर का हकदार है। उन्होंने कहा, अमेरिका को एक ऐसे राष्ट्रपति की जरूरत है जो देश की जनता के साथ–साथ बाकी दुनिया के लिए हमारी भूमिका और जिम्मेदारी को समझे और एक आदर्श बने। विस्कॉन्सिन में संवाददाताओं से बात करते हुए हैरिस ने कहा, आपने मुझे कई बार कहते सुना है, अमेरिकी लोगों के प्रति मेरी प्रतिज्ञा है कि मैं उन लोगों की भी सुनूंगी, जो मुझसे असहमत हैं, विशेषज्ञों की बात सुनूंगी। बकौल कमला हैरिस, डोनाल्ड ट्रंप का अंतिम तर्क बहुत अलग है। वह अमेरिकियों को एक–दूसरे के खिलाफ खड़ा करते हैं। वह अमेरिकियों को एक–दूसरे पर उंगली उठाने के लिए उकसाने में पूरा समय बिताते हैं। और वह अपने राजनीतिक विरोधियों से बदला लेने की योजना बनाने में काफी समय बिताते हैं। वह राजनीतिक विरोधियों को दुश्मन मानते हैं।

संक्षिप्त समाचार

माउई द्वीप में शार्क ने 61 वर्षीय व्यक्ति पर किया हमला, हालत गंभीर

माउई द्वीप में एक शार्क ने 61 वर्षीय 'सर्फर' पर हमला कर दिया और उसके पैर में इतनी बुरी तरह से काटा कि उसका पैर ही अलग हो गया। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। माउई काउंटी ने एक समाचार विज्ञप्ति में बताया कि व्यक्ति शुक्रवार सुबह 'वैहू बीच पार्क' में 'सर्फिंग' कर रहा था, तभी उसे एक शार्क ने काट लिया। घटनास्थल पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने सबसे पहले रक्तस्राव को रोकने की कोशिश की। इसमें बताया गया कि

व्यक्ति का पैर ''घुटने के ठीक नीचे से पूरी तरह कट गया था।'' प्राथमिक उपचार दिए जाने के दौरान व्यक्ति होश में था और फिर उसे 'माउई मेमोरियल मेडिकल सेंटर' ले जाया गया। प्राधिकारियों ने बताया कि व्यक्ति की हालत गंभीर है। इस घटना के बाद प्राधिकारियों ने 'बीच पार्क' को बंद कर दिया। अधिकारियों ने लोगों को इलाके में पानी से दूर रहने की चेतावनी दी है। इससे पहले जून में प्रसिद्ध 'सर्फर' तामायो पेरी की ओआहू के उत्तरी तट पर सर्फिंग करते समय शार्क के हमले में मौत हो गई थी।

पाकिस्तान : बोइंग 737 विमान को पहली बार सड़क मार्ग से एक जगह से दूसरी जगह ले जाया गया

पाकिस्तान में पहली बार एक सेवामुक्त बोइंग 737 विमान को बृहस्पतिवार और शुक्रवार को सड़क मार्ग से कराची से हैदराबाद ले जाया गया। बंद हो चुकी निजी विमान कंपनी 'शाहीन एयरवेज' द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला विमान सड़क मार्ग से

165 किलोमीटर की यात्रा पूरी करने के बाद सेवामुक्त हो गया है और नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएए) के 'हैंगर' पर पहुंच गया है। सीएए के एक प्रवक्ता ने कहा, पाकिस्तान में यह पहली बार है कि किसी विमान को विशेष रूप से तैयार किए गए ट्रेलर पर दूसरी जगह ले जाया गया है। उन्होंने कहा कि विमान का उपयोग हैदराबाद में नागरिक उड्डयन प्रशिक्षण संस्थान (सीएटीआई) में प्रशिक्षण कार्यों के लिए किया जाएगा।

अमेरिका के कोलोराडो में हैलोवीन पार्टी के दौरान गोलीबारी, तीन लोगों की मौत

अमेरिका के कोलोराडो प्रांत के डेनवर के उत्तर में स्थित नॉर्थग्लेन शहर में हैलोवीन के अवसर पर एक घर में चल रही पार्टी के दौरान हुई गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। नॉर्थग्लेन पुलिस विभाग ने एक विज्ञप्ति में बताया कि अधिकारी आधी रात के बाद एक घर में आयोजित पार्टी में पहुंचे तो वहां एक व्यक्ति मृत मिला जबकि पांच अन्य गोली लगने से घायल थे। उसने बताया कि घायलों को अस्पताल ले जाया गया जहां दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि अभी तक किसी संदिग्ध को हिरासत में नहीं लिया गया है लेकिन इस घटना से जनता के लिए कोई ज्ञात खतरा नहीं है।

सर्बिया में रेलवे स्टेशन की छत गिरने से कम से कम 11 लोगों की मौत

सर्बिया के नोवी सेड शहर में शुक्रवार को एक रेलवे स्टेशन की कंक्रीट की छत गिरने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। गृह मंत्री इविका डेसिस ने कहा कि कम से कम तीन लोगों को गंभीर रूप से घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एंबुलेंस के साथ–साथ दूसरी आपात सेवाओं की टीम घटनास्थल पर भेजी गई हैं और बुल्डोजर से मलबे को हटाकर लोगों की तलाश की जा रही है। निगरानी कैमरों की फुटेज में लोग छत के नीचे बेंच पर बैठे दिख रहे हैं, जो अचानक गिरती हुई दिखाई दे रही है। इमारत की हाल ही में मरम्मत की गई थी।

बांग्लादेश में फिर हिंसा का तांडव! जातीय पार्टी के मुख्यालय को उपद्रवियों ने जला दिया

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग की पूर्व करीबी बांग्लादेशी पार्टी ने शुक्रवार को कहा कि प्रदर्शनकारियों द्वारा आगजनी के हमले में उनके कार्यालय जला दिए गए। दिवंगत राष्ट्रपति हुसैन मुहम्मद इरशाद द्वारा स्थापित जातीय पार्टी, बांग्लादेश अवामी लीग के नेतृत्व वाले ग्रैंड अलायंस का हिस्सा थी और पिछले तीन आम चुनावों में भाग लिया था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।